# 26/11

आतंकहर्ता नागराज

डोगा

World Terrorism

HEMANT
JAGDISH
GOVIND RAM

पीछे पड़ी पुलिस से अपनी जीवन रक्षा के लिए डाकू हलकान सिंह ने कचरे के ढेर से उठाया एक अनाथ शिशु को। अपनी ढाल बनाकर वो उसे ले गया अपने अड्डे पर। इतने जुल्म-ओ-सितम देखे और सहे उसने कि अब जख्म मिलने पर उसके मुंह से चीख भी नहीं निकलती। फिर वो पहुंचा मुम्बई जहां उसने अदरक चाचा, हल्दी चाचा, काली चाचा और धनिया चाचा से सीखी कई युद्ध कलाएं। मुम्बई की रक्षा के लिए कुत्ते का वफादार चेहरा पहनकर बन गया वो मुम्बई का बाप 'डोगा'।
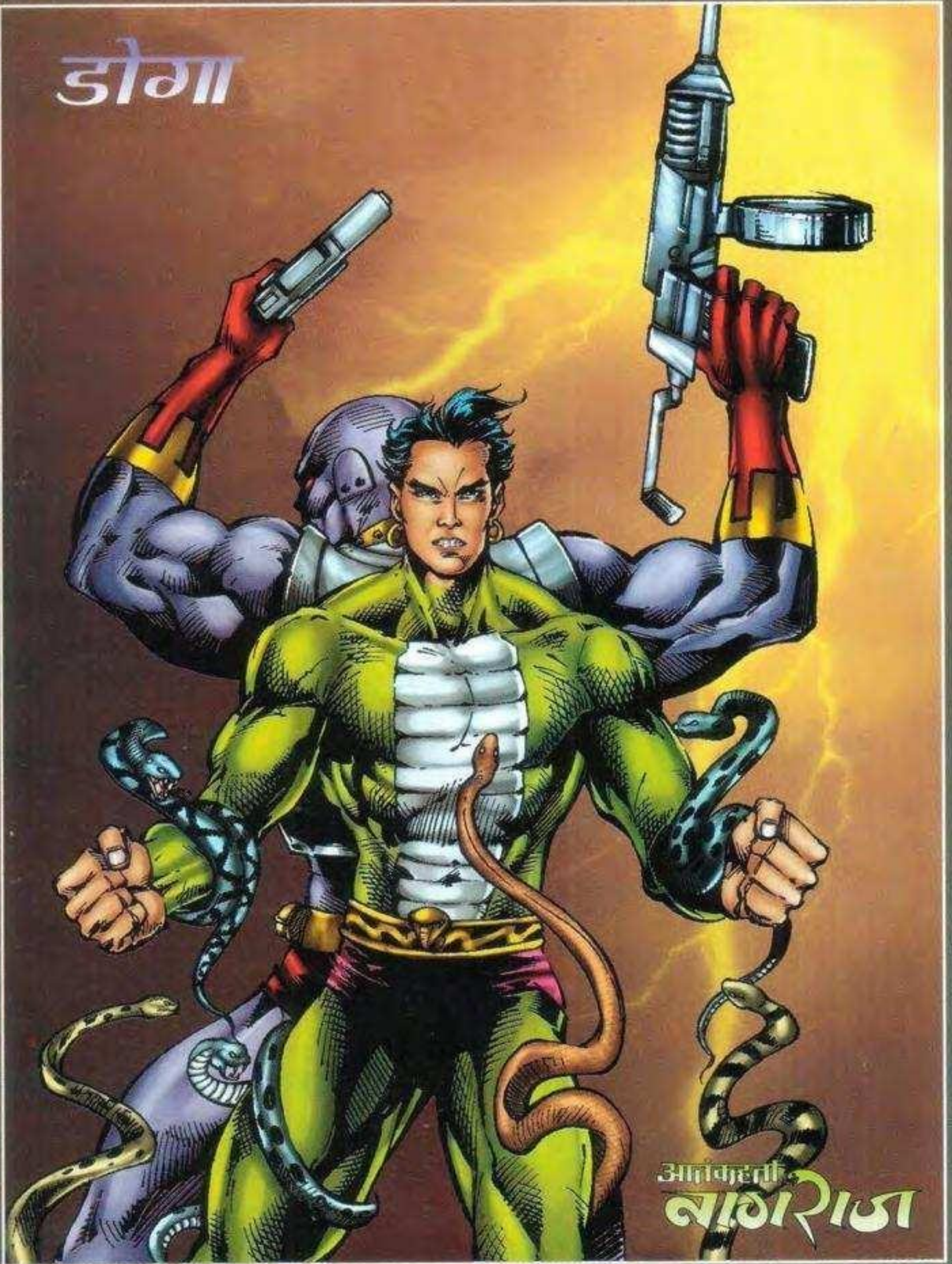
विष विशेषज्ञ प्रोफेसर नागमणि को मिला एक अनोखा मानव नाग शिशु। शिशु में नाग शक्तियों को देख उसने बनाया एक जीवित हथियार। अपने उस हथियार को उसने नाम दिया नागराज और दुनिया भर के आंतकवादियों के बीच उसकी नीलामी करके उसे बना डाला खूंखारतम आतंकवादी। गुरु गोरखनाथ के दिव्य प्रभाव ने नागराज को बना दिया आंतकहर्ता नागराज।

एक उड़ाएगा जहरीली फुंकारें।
एक दहलाएगा दिल!!
एक के पास है नाग सेना।
एक के पास है कुत्ता फौज।
एक फुंफकारेगा।
एक गुर्राएगा!!
आतंकवादियों को ढेर करेगा...
मुम्बई का आतंक हरेगा...
आतंकहर्ता
नागराज
रात का रक्षक
डोगा
संजय गुप्ता पेश करते हैं!
26/11
राज कॉमिक्स है मेरा जनून!
अब कोई नहीं सुरक्षित।
क्या इतने विलक्षण, विशिष्ट, अद्भुत शक्तिधारी रक्षक होने के बावजूद भी कोई दुनिया, कोई देश, कोई शहर हो सकता है असुरक्षित?
जवाब है हां - क्योंकि हौंसले बुलंद हैं उनके। जो दूसरों की जान लेने निकलते हैं अपनी जान की कीमत पर।
हौंसलों को परख के लिए विलक्षण की तलाश रहती है।
परिकल्पना मोहन अनुराग
लेखक संजय गुप्ता, तरुण कुमार वाही
चित्रांकन हेमंत
इंकिंग जगदीश
इफेक्ट्स प्रदीप सिंह
कैलीग्राफी अमित कठेरिया
सह सम्पादक मंदार गंगेले
सम्पादक मनीष गुप्ता

आज विलक्षण से टकराव के लिए चुनी गई थी मुम्बई।
मुम्बई के तट से पचास किलोमीटर दूर!!
मारेंगेsss...
...और मर जाएंगेssssss!
...खुदा के बंदे कहलाएंगे।
...जन्नत...
...पाएंगेsss!
आह!!

सारा सामान बोट्स में लाद दिया है एन.एम.।
बहुत बढ़िया। अब सफर शुरू करो अब मुम्बई दूर नहीं।
मुम्बई की तरफ बढ़ चले थे मौत के सौदागर-
मुम्बई से बहुत दूर था उन सौदागरों का नियंत्रक-
हवाई यात्रा कितनी डरावनी हो गई है। क्रैश होने का डर लगा रहता है और आजकल तो आतंकवादियों का भी बहुत खतरा है।
मुझे तो जन्नत करीब से दिखाई पड़ती है!
तुम्हारा किसे जन्नत पहुंचाने का इरादा है?
ऐ मिस्टर! ये काम आतंकवादियों का है।
सभी आतंकवादी शक्ल व सूरत से खूंखार दिखते हैं! तुम्हें देखने के बाद किसी का भी ऐसा भ्रम टूट जाएगा।
क...क्या मतलब?
मतलब यह कि तुम आतंकवादी हो।

मुम्बई!
26-11-08 समय 8.00 PM.
हम मछुआरे हैं!!
मछुआरों के पास जाल होते हैं!
मछलियां होती हैं!
..गोलियां और बारूद नहीं।
मारो इन्हें।
पकड़ लो!
थड़.ड़.
हिंदुस्तानी मछलियों को मारने के लिए हमें इन्हीं हथियारों की जरूरत होती है!!
हथियार?
हां। हथियार!
"लाओ! अपना हथियार मुझे दे दो!!"

Come on!
Give me your Gun! अभी मैं एक दोस्त की तरह मांग रहा हूं!
मुम्बई!
सूरज और मोनिका!
समय 09.25 PM.
SINCE 1871
Leopold Cafe & BAR
अब कॉफी पीने के लिए इतनी दूर आने की क्या जरूरत थी मोनिका।
इसी बहाने तुम्हारे साथ ज्यादा से ज्यादा समय गुजारने का मौका मिलता है सूरज।
वरना इस समय तो तुम डोगा बनकर मुम्बई की छतों पर घूम रहे होते।
डोगा का नाम आते ही गोलियों की आवाजें गूंज उठीं।
जिंग
जिंग
मोनिका बचो।
ओह!
खनाक SSS
आह!
ओह! नो!!

हत्यारों!
म...मोनिका!
त...तुम घबराओ मत। मैं तुम्हें हॉस्पिटल लेकर चल रहा हूं!
अ...आह!
स...सूरज...म...मेरी आंखों के आगे अंधेरा छा...रहा...है।
EXIT
"उफ! मेरे हैंड बैग में पिस्टल होने का तुम्हें कैसे पता चला?"
मेरे पास बारूद सूंघने वाले मैटल डिटेक्टर हैं।
स...सूंघने वाले?
उफ! स...सांप! क...कौन हो तुम?
हां! ये देखो!! ये बारूद सूंघ सकता है।
नागराज!
सांऽऽय
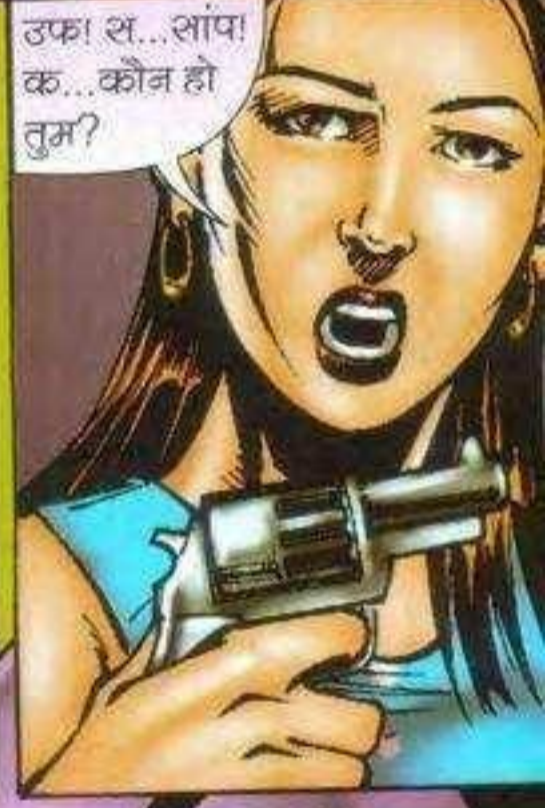
व...वही
जिसने अब तक
56 मारे हैं?
नहीं! 1056!
अपना पासपोर्ट
दिखाओ।
क्या नाम
है तुम्हारा?
जिहादी!
मगर
पासपोर्ट पर
तो चांदनी
लिखा है।
CHANDNI
मैंने लश्कर-ए-आका
से आतंकवाद की ट्रेनिंग ली है
और ऐसी ट्रेनिंग पाया हुआ कोई
भी इंसान केवल जिहादी के नाम
से ही जाना जाता है।
वैसे चांदनी भी
मेरा असली नाम नहीं है।
यह पासपोर्ट भी नकली है
कल ही बनवाया है।
तुम
किस मिशन पर
निकली हो?
फिलहाल
मैं किसी मिशन
पर नहीं हूं।

एयरपोर्ट की सिक्युरिटी से बचाकर ये पिस्टल कैसे ले आईं तुम?
इस समय सैकड़ों और फ्लाइट्स भी आकाश में होंगी। मेरी तरह उनमें भी लश्कर-ए-आका के आदमी सफर कर रहे होंगे। हम हर समय तैयार रहते हैं। हथियार बंद।
आका का नेटवर्क इतना स्ट्रांग है कि उसके आदमी दुनियाभर की सिक्युरिटी में शामिल हैं वो हमें बेरोकटोक हथियार ले जाने देते हैं।
"आका के आदमी कभी भी कहीं भी हो सकते हैं।"
मुम्बई, छत्रपति शिवाजी रेलवे स्टेशन।
समय 09.25 PM.
भून दो!
हर ओर लाशें ही लाशें दिखनी चाहिए!
आह!
जिंग
जिंग
जिंग
जिंग
आह!
काम हो गया...
...अब चलो।
जिंग
जिंग
"क्यों बनी तुम आतंकवादी?"
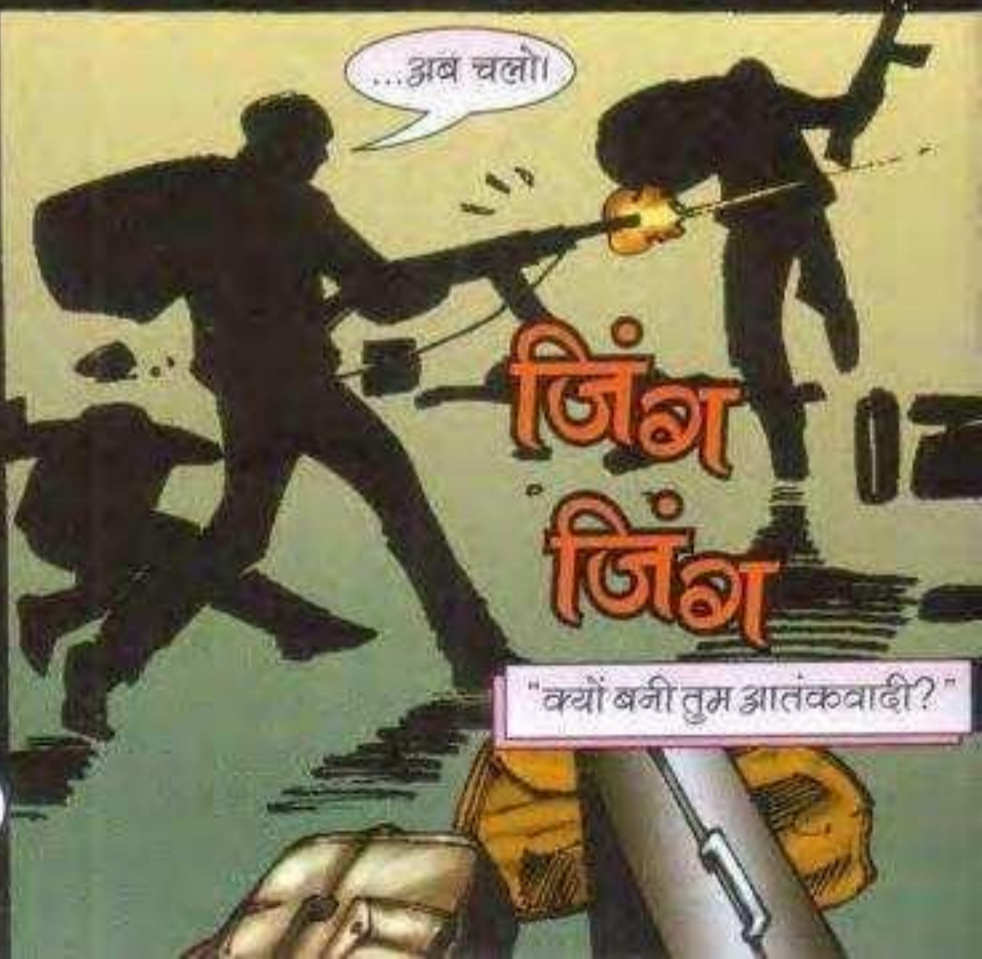
अम्मी को ब्लड कैंसर है। मैं उन्हें लेकर मुम्बई के टाटा मेमोरियल हॉस्पीटल जा रही हूं। अम्मी को इलाज की सख्त जरूरत है नागराज।
मैंने लश्कर को चुना। उन्होंने मुझे ट्रेनिंग दी और साथ ही ढेर सारा पैसा।
अम्मी के इलाज के लिए बहुत सारे पैसों की तुरंत जरूरत थी और तुरंत पैसा कमाने के लिए मेरे सामने 'आप्शन' नहीं था। केवल एक ही रास्ता था लश्कर-ए-आका।
नागराज। अब उनके इलाज के बाद मुझे जो भी मिशन सौंपा जाएगा, मैं उसे पूरा करूंगी।
...अपनी जान देकर भी!
फिलहाल सूरज अपनी 'जान' की हिफाजत में जुटा था।
ICU
आपकी मंगेतर का खून काफी निकल गया है मिस्टर सूरज। लेकिन आप फिक्र ना करें! हम सब संभाल लेंगे।
मुझे मुम्बई की फिक्र है। मुम्बईवासियों की फिक्र है। जिनकी नजरें अब किसी को तलाश रही होंगी।
अपने रक्षक डोगा को।

लियोपोल्ड रेस्तरां के बाद छत्रपति शिवाजी टर्मिनल रेलवे स्टेशन पर दो आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में पचास मरे, 100 घायल।
पचास मरे, सौ घायल!
दो ने दिए मुझे डेढ़ सौ जख्म।
कामा हॉस्पिटल।
समय 10.00 PM.
जिंग
जिंग
ओह! एंटी टेररिज्म स्क्वैड पर आतंकवादी फायरिंग कर रहे हैं।
मेरी मुम्बई पर ये तीसरा आतंकी हमला है।
खून की हर बूंद की कीमत चुकानी होगी इन हत्यारों को।
...खुद डोगा!!
आतंकवाद ने मेरी मुम्बई की दहलीज पर आकर दस्तक दी है।
वुफ वुफ
आतंकवाद को उसका लहूलुहान चेहरा दिखाएगा...
"लहू का रंग एक ही होता है चांदनी!"

वो चाहे तुम्हारे किसी अपने का हो या गैर का।
अपने का बचाना, गैर का बहाना मानवता नहीं। ये ईश्वर के प्रति भी अपराध है। तुम्हारी अम्मी को जीवन केवल अल्लाह दे सकते हैं! क्योंकि जीवन और मृत्यु उन्हीं के हाथ में है।
अब ये मुमकिन नहीं है नागराज!
जब जरूरत पड़ी तो अल्लाह ने भी मेरा साथ नहीं दिया। केवल लश्कर-ए-आका ने दिया।
तुम्हारे अल्लाह ने शायद मुझे तुम्हारी मदद के लिए भेजा है। तुम्हारी अम्मी का इलाज मैं करवाऊंगा!!
अब मानवता की बातें मेरी समझ में नहीं आएंगी। अब मैं आका से वफादारी निभाऊंगी।
होटल ओबरोय ट्राइडेंट
समय 10.30 PM.
ओह, नो! टेररिस्ट!!
आह!
जिंग
आह!
जिंग

मुल्लाजी की तान पर नाचती है मौत।
लाहौरी का लोहा बरसता है तो सिर्फ चीखें गूंजती हैं!!
जिंग
जिंग
हमने क्या बिगाड़ा है? हमें क्यों मार रहे हो?
...डोगा देखेगा कि तुम्हारा लोहा डोगा की छाती के लोहे को चीर पाता है या नहीं।
अरे लाहौरी ये कौन है?
इसका हुलिया और कुत्ते जैसी शक्ल तो देख मुल्तानी।
क्योंकि निर्दोषों की चीखों की आवाजें बम से भी ज्यादा धमाके करती हैं।
जिंग
तो फिर आओ। चलाओ गोली।
मरेगा भी कुत्ते की मौत।
जिंग
जिंग
कुत्ता मानवता और समाज का पहरेदार होता है। इंसान का सबसे वफादार, जो घर के दुश्मनों को देख और सूंघ लेता है तो उसे काट लेता है।

अब डोगा
तुम्हारी एक-एक
बोटी काट लेगा...
थड़
थड़
धाड़
...वो
हालत करेगा
तुम्हारी...
आह!
...कि तुम्हारे जैसे दूसरे आतंकी जहां कुत्ता तो दूर, कुत्ते का पिल्ला भी देख लेंगे, तो वहीं टॉयलेट ढूंढने के लिए भागेंगे।
थड़
मेरी मुम्बई की
जमीन पर निर्दोष
चीखेंगे...
उफ!
थड़
...तो आतंकियों
की चीखें सीमा पार
तक गूंजेंगी।
थड़
आह!

खच्चाक
हम तो सीमा रेखा ही मिटा देंगे।
'उधर' का 'इधर' कर देंगे।
कौन है जो हमें रोकेगा? कौन है जो हमें टोकेगा?
खच
रोकने वालों के हम हाथ काट देंगे।
टोकने वालों का हम मुंह नोंच लेंगे।

कुत्तों को देखकर हम टॉयलेट के लिए नहीं भागेंगे...
...बल्कि हमारी गोलियों की आवाजें सुनकर तुम लोग अपनी अम्मा की गोद में छुपोगे।
मुम्बई जल रही थी और आतंकहर्ता नागराज एक आतंकवादी के साथ सफर कर रहा था।
डोगा! अब तू देख अपनी मौत का तमाशा।
एक्सक्यूज मी, नागराज! मैं अम्मी-अब्बू से मिलकर आती हूं, वो पीछे इकॉनोमी क्लास में बैठे हैं। वहां उनके कुछ परिचित भी बैठे थे इसीलिए वो यहां नहीं बैठे।
ओह! वो उसके अम्मी-अब्बू हैं।

मुम्बई में हालत बदतर होते जा रहे थे।
होटल ताज!
किसी हिन्दू को जिंदा नहीं छोड़ेंगे।
जिंग
जिंग
किसी यहूदी, किसी अमेरिकन को नहीं बख्शेंगे। सब मरेंगे बारी-बारी।
जिंग
यह आलीशान इमारत बनेगी कब्रिस्तान।
प्लेन को एमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ेगी। यात्री कृपया अपना स्थान ग्रहण करें और सीट बेल्टें बांध लें।
पॉयलट आसपास के किसी एयरपोर्ट तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। आप ईश्वर पर भरोसा रखो।
नरीमन हाउस
27-11-08
समय 02:30 AM.
ये बीमार हैं? इन्हें अस्थमा का अटैक पड़ा है? इन्हें आजाद कर दीजिए।
लो! कर दिया इसे आजाद। जिंदगी से।
आह!
जिंग

किसी और की तबियत खराब है? किसी और को चाहिए आजादी?
मौत का आतंक खिंचा हुआ था हर चेहरे पर-
आतंकहर्ता नागराज क्या चाहता था, ये किसी को समझ में नहीं आया था।
ये क्या कर रहे हो? प्लेन का 'एग्जिट' डोर क्यों खोल रहे हो?
ये आदमी कौन है? ये पागल हो गया है।
इतनी ऊंचाई पर एग्जिट डोर खुलते ही वायु दबाव के कारण हम लोग हवाई जहाज के बाहर खिंच जाएंगे। उफ!!
बचाओ!
आSSSह!!
नागराज! तुम इतने मूर्ख होगे ये मैं सोच भी नहीं सकती थी।
उफ! मेरे अम्मी-अब्बू!
मैं तुम्हें कभी माफ नहीं करूंगी!!
बूम
यहां अब किसी को जिंदगी नहीं मिलनी थी चांदनी।
तो बाहर गिरकर कौन सा वो बचेंगे। ये मौतें तुम्हारे सिर होंगी। नागराज! तुम इस गुनाह से बचोगे नहीं।

तो चलो गुनाह का प्रायश्चित करता हूं। मौत को गले लगाकर।
छोड़ दो, मुझे छोड़ दो। I hate you! I hate you!
जिनकी जिंदगी के लिए तुम हजारों जानों की सौदागार बन गईं। देख लो अल्लाह का खेल उनकी जान आज फिर दांव पर है।
ये सब तो?
उफ!
नागों के पैराशूट?
क्या ये सब तुमने किया नागराज?
हां। प्लेन का एग्जिट डोर खुलने से पहले ही मैंने सूक्ष्म रूप में सर्पों को इनके शरीर से चिपका दिया था।
और वो सूक्ष्म सर्प पैराशूट बन गए?

प्लेन हवा में क्रैश हो गया और एक भी 'कैजुअल्टी' नहीं है। मेरे अम्मी-अब्बू भी एकदम सही सलामत हैं।
हां लेकिन यात्रियों को बचाने के यतन में पायलट आग से घायल हो चुके हैं।
ये तो चमत्कार है।
हम सांपों के साथ उड़ रहे थे।
हमें नीचे छोड़कर सांप अचानक गायब हो गए।
नागराज! अम्मी-अब्बू गिरने के 'शॉक' से बेहोश हो गए हैं।
इस वीरान टापू पर मदद कैसे पहुंचेगी। आसपास कम्युनिकेशन का कोई साधन नहीं मिलेगा।
होटल ओबरोय
27-11-08 समय 03:30 AM.
इस आग के धुंए में मेरा दम घुट रहा है।
ये आतंकवादी बहुत खूंखार और ट्रेंड हैं।
खौं खौं
लेकिन डोगा से ज्यादा खूंखार और डोगा से ज्यादा ट्रेंड नहीं हो सकते।

वो मुम्बई को जलाने का सपना लेकर आए हैं।
और मैं सपनों में भी मुम्बई को मुस्कुराता हुआ देखता हूं।
रुको। डोगा उन दोनों आतंकवादियों ने उस कान्फ्रेंस हॉल में टूरिस्टों को बंधक बना लिया है। और बाहर क्लोज सर्किट कैमरे लगा दिए हैं।
ओह! होटल में सिक्ख रेजिमेंट आ चुकी है।
वे अंदर बैठे गैलरी की गतिविधि को देख रहे हैं। हमारे जवान जैसे ही आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं वो अंदर से एक आदमी को मारकर बाहर फेंक देते हैं।
आग क्यों लगा रहे हो डोगा?
भभकककक
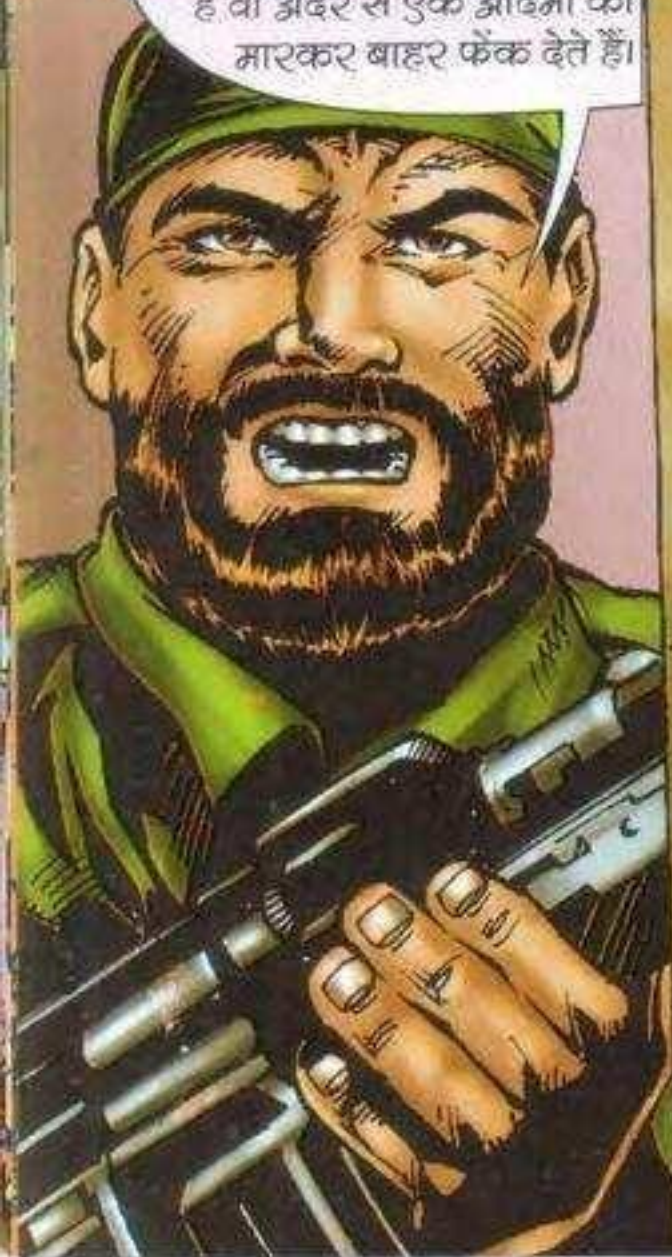
आग से भारी धुंआ उठेगा...
...और धुंआ क्लोज सर्किट कैमरे के लैंसों को अंधा कर देगा।
लाहौरी कुछ दिखाई नहीं पड़ रहा। कहीं सिक्ख रेजीमेंट की कोई चाल तो नहीं।
वो आग क्यों लगाएंगे?
लगता है आग निचले फ्लोर से ऊपर तक पहुंच गई है।
...और डोगा भी।
भड़ाक
आग तो तुमने लगाई है और जलोगे भी तुम ही।
आह!
उफ!

ठहरो!!
पचास गीदड़ मिलकर दो शेरों को मारने आए हैं। हाहाहा। मैं जानता था यही है हिंदुस्तानी कुत्तों की औकात।
हिंदुस्तानी खून को ललकारा है तुम दोनों ने।
ये सिक्ख रेजीमेंट के जवान हैं। चुन लो इनमें से कोई भी एक। वो अकेला तुम दोनों से लड़ेगा। और अगर हार गया तो सारी दुनिया से लोहा लेकर भी तुम्हें जिंदा बचाने की गारंटी डोगा देता है।
ओए डोगा। ऐना हरामखोरां दे फट्टे करतारा नूं चक्कन दे।
टुकड़े कर देंगे इसके।
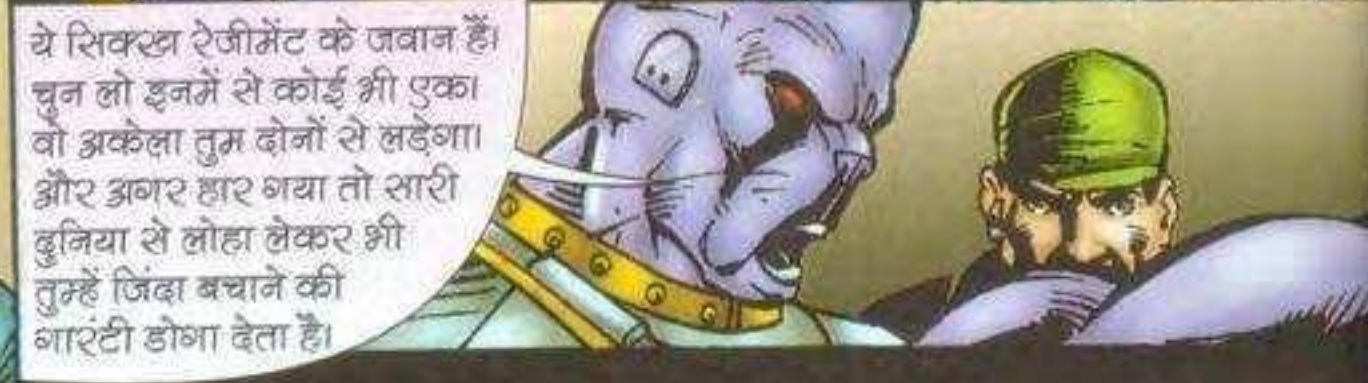
ओऐ टुकड़े करन वालेयो त्वाडी तां मैं ओए!!
धप्प
...पूतनी देओ!
धाड़
ओऐ तुस्सी दोनों हरामखोर बंदे तां मेरे बूट्टां दी ठोकर वी नहीं सह सकोगे ओए!
धड़ड़
...तां मेरा मुक्का खा के त्वाडी जान दो बार निकल जाऊगी ओए!
खनाक
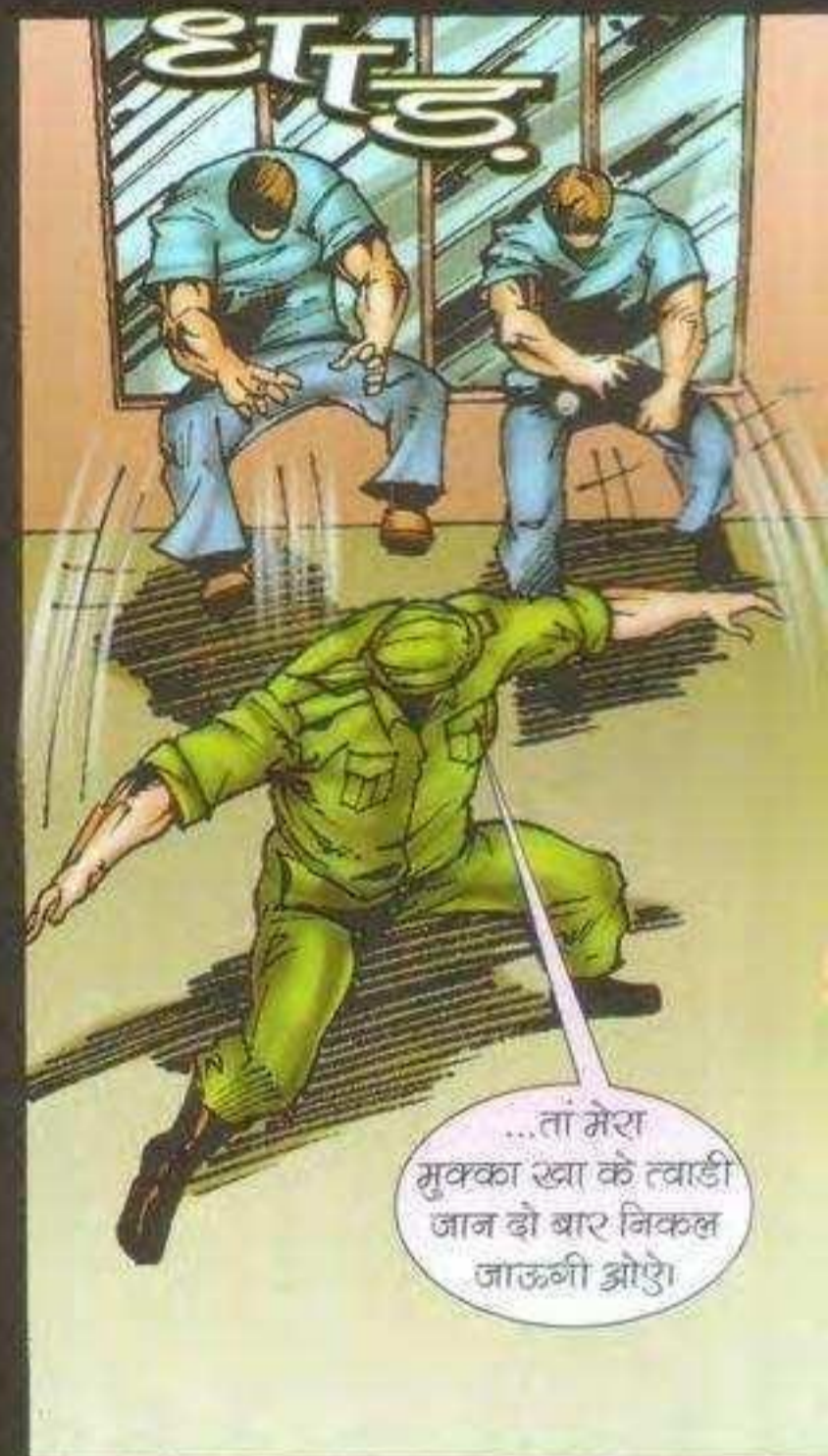
27-11-08 समय 06:00 AM
तुमने ठीक कहा था नागराज। जीवन और मृत्यु अल्लाह के हाथ में है।
और मैंने अपनी अम्मी की जान के बदले बेगुनाह जानें लेने की ट्रेनिंग ली।
तो, अब क्या करना चाहती हो?
पश्चाताप!
उसके लिए तुम्हें किसी ट्रेनिंग की जरूरत नहीं है।
ट्रेनिंग के नाम पर याद आया नागराज। जब मैं ट्रेनिंग कैम्प में थी तो वहां मुम्बई में टेररिस्ट अटैक की प्लानिंग चल रही थी।
वहां 26/11 को मुम्बई में जलजला मचा देने की योजना बनाई जा रही थी
26/11 तो कल थी।
ओह! ये बात तुम्हें मुझे कल ही बतानी चाहिए थी।
कल और आज में फर्क है नागराज। कल तक मैं लश्कर-ए-आका की वफादार थी।
लेकिन अब क्या हो सकता है। अब तो वो अपना मिशन पूरा कर चुके होंगे। मुम्बई एक बार फिर धमाकों से दहल गया होगा।
नहीं नागराज इस बार उन्हें कुछ नया, कुछ भयंकर करना था। वो पूरी मुम्बई को कब्जे में लेने के लिए तैयार किए जा रहे थे।

लेकिन हम इस वीराने में फंसे हुए हैं। जब तक कोई रेस्क्यू टीम हमें नहीं ढूंढ निकालती हम कुछ नहीं कर सकते।
नागराज तुम कुछ भी कर सकते हो तुम्हारे मुंह से निराशाजनक बातें शोभा नहीं देतीं।
यहां से निकलने का कोई रास्ता खोजो। तुम ही हम सबको और मुम्बई को बचा सकते हो।
मुझे कैसे भी निकटतम एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर से सम्पर्क बनाना होगा। उसके लिए चाहिए कोई रेडियो सिस्टम।
और वो हमें मिल सकता है उस जलते एयरोप्लेन में। अगर वो सिस्टम सही सलामत हुआ तो।
शीतनाग इस आग को शीघ्रता से बुझाओ।
यहां सब कुछ जल चुका है। कोशिश करके देखता हूं कि रेडियो काम कर जाए और एयर क्राफ्ट एमरजेंसी फ्रीक्वेंसी 121.5 MHz पर सेट हो जाए।
नहीं चांदनी कुछ नहीं हो सकता मैंने 'मे डे' मैसेज तो भेज दिया लेकिन सम्पर्क नहीं बन पा रहा है।
एक रास्ता अभी भी है नागराज।
25

लश्कर-ए-आका ने मुझे एक सेटेलाइट फोन दिया था। प्लेन के लगेज सेक्शन में उसे ढूंढा जा सकता है।
लगेज सेक्शन जहां की लपटों को शीतनाग बुझा चुका था।
यहां सब उलट-पुलट हो चुका है। आग और पानी के कारण पहचान असंभव हो गई है। तुम अपना लगेज कैसे ढूंढ पाओगी?
मैं नहीं ढूंढ पाऊंगी नागराज।
यह काम तुम कर सकते हो। मेरे लगेज में पिस्टल की एक्स्ट्रा मैगजीन भी थी।
समझ गया।
लो मेरे जासूस सर्पों ने तुम्हारा लगेज ढूंढ निकाला है।
सेटेलाइट फोन वाटर प्रूफ और फायर प्रूफ बॉक्स में बंद था। वह जरूर काम करेगा।
कुछ ही देर बाद-
INTERNATIONAL CIVIL AVIATION ORGANIZATION UNITED NATIONS.
मैं नागराज।
मुझे फौरन एक हेलीकॉप्टर की जरूरत है।
MIKE

टेरर अटैक ने पूरी मुम्बई को झकझोर कर रख दिया था।
27-11-08 समय 11:00 PM.
36 घंटे के ऑपरेशन पराक्रम के बाद होटल ओबरोय में सिक्ख रेजीमेंट के कमाण्डोज ने दोनों आतंकवादियों को मारकर सभी बंधकों को छुड़वा लिया है...।
"...लेकिन नरीमन हाउस..."
"...और होटल ताज पर अभी तक आतंकवादियों में मुठभेड़ जारी है।"
जिंग जिंग जिंग
जिंग
जिंग
जिंग
होटल का स्टाफ कुछ गेस्ट को सुरक्षित होटल की किचन में ले आया था। लेकिन-
खोलो हमें पता है तुम अंदर छुपे हो। खोलो वरना बम मारकर दरवाजा तोड़ देंगे।
हम फाइव स्टार होटल में भी सुरक्षित नहीं हैं। पता नहीं किस घड़ी में हम लोगों ने इंडिया ट्रेवल का विचार किया था।
आप लोगों ने अभी तक अमेरिका देखा होगा। योरोप देखा होगा...
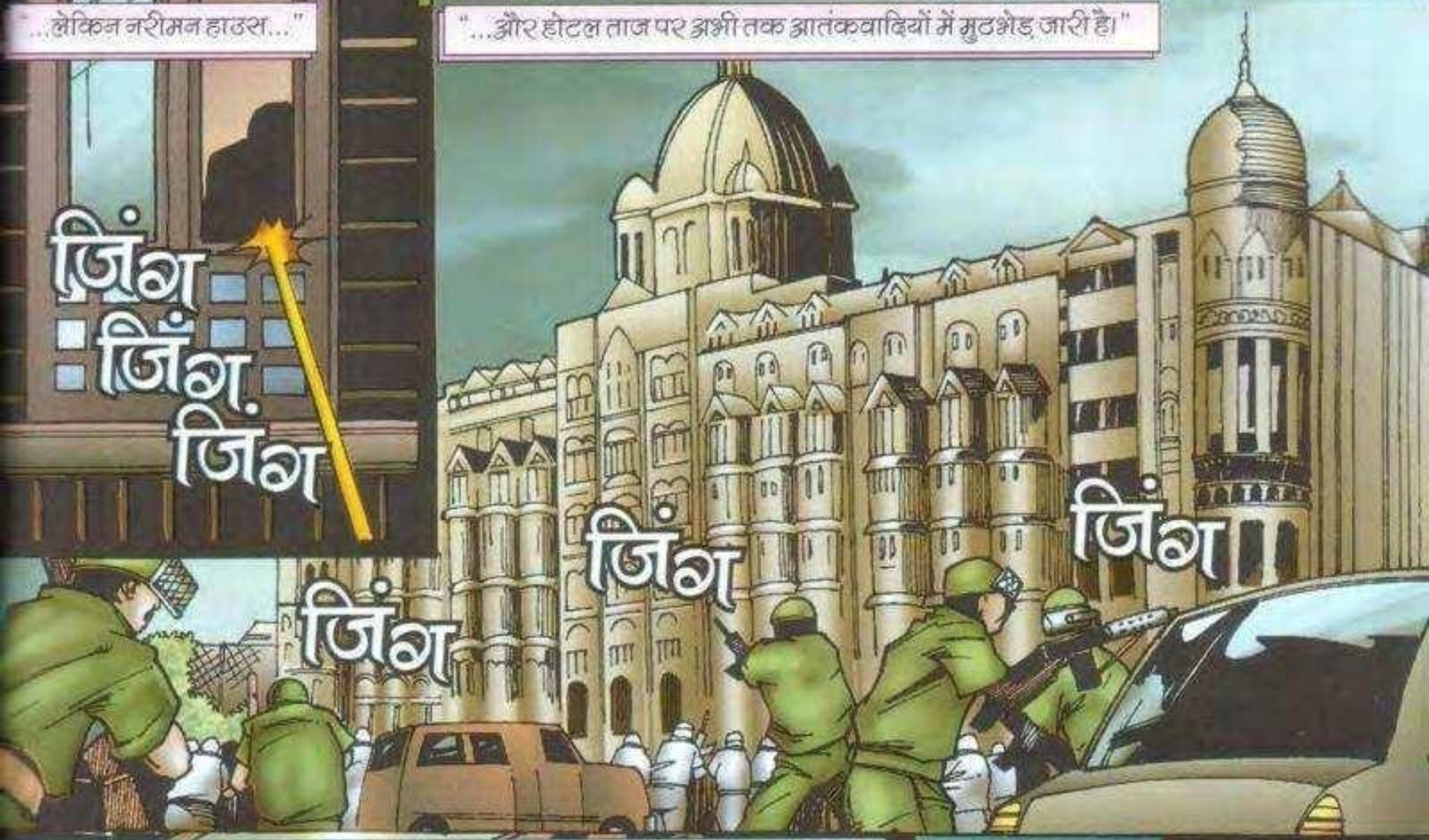
...लेकिन भारत और भारत वासियों को नहीं देखा। अतिथि देवोः भवः।
बडाम!!
आह!
अपनी जान दे देंगे लेकिन अपने मेहमानों पर आंच नहीं आने देंगे।
मारने तो हम आए हैं।
जिंग
जिंग

तभी वहां पहुंचे N.S.G. कमाण्डोज ने आतंकवादियों को भून डाला।
ठां ठां ठां
सिक्यूरिटी गार्ड्स सभी को सुरक्षित निकाल लाए-
हम खुशनसीब हैं कि हमारे साथ ऐसा हादसा मुम्बई में हुआ। मेहमानों के लिए ऐसा जज्बा हमने किसी देश में नहीं देखा। इनक्रेडिबल इंडियन्स। इनक्रेडिबल इंडिया।
वो भी तो था तैयार हर पल।
गटर से सीधा ताज के बेसमेंट में घुसा था-
जोंकों का खून चूसने के लिए।
सांता क्रूज एयरपोर्ट, मुम्बई!
28-11-08 समय 11:00 AM.
चांदनी तुम अपने अम्मी-अब्बू को लेकर हॉस्पिटल पहुंचो। तुम इनकी देखभाल करो। मैं मुम्बई को संभालता हूं। जल्द ही मिलेंगे।
अपना ध्यान रखना नागराज।
नागराज का ध्यान खून चूसने वाली जोंकों पर रहता है। हर पल।
ताकि मेरा जूता जब जमीन को छुए तो वो पिस जाएं।

बहुत कहर बरपा लिया।
अब बस।
धाड़
बता होटल में तेरे और कितने साथी हैं?
तुम लोगों ने सिर्फ गिरती हुई लाशें देखी हैं। उन लाशों पर पछाड़ें खाकर गिरती हुई मांओं को नहीं देखा। माएं तो सबकी एक जैसी होती हैं। वो तुम्हारी लाशों पर भी वैसे ही पछाड़ें खाकर गिरेंगी।
धड़ाम
जिंग
मुझे माफ करना मां। तेरे इस नालायक बेटे को मैं जिंदा नहीं छोड़ सकता।
आह!
जिंदा तो मैं तुझे नहीं छोड़ूंगा।
धाड़
ये धमाका सुना
हमारा एक-एक साथी तुम पर भारी पड़ेगा। लाशों के ढेर लगा देंगे मुम्बई में हम।
भारी पड़ेंगे हम...

...तुम पर...
तुम्हारी सारी सिक्युरिटी पर...
...तुम्हारे सारे देश पर!
धाड़
हम्फ!
अच्छा हुआ, जो तूने पहले ही अपने चेहरे पर कुत्ते का मास्क लगा रखा है।
अब पट्टा तेरे गले में हम डाल देंगे।
धाड़
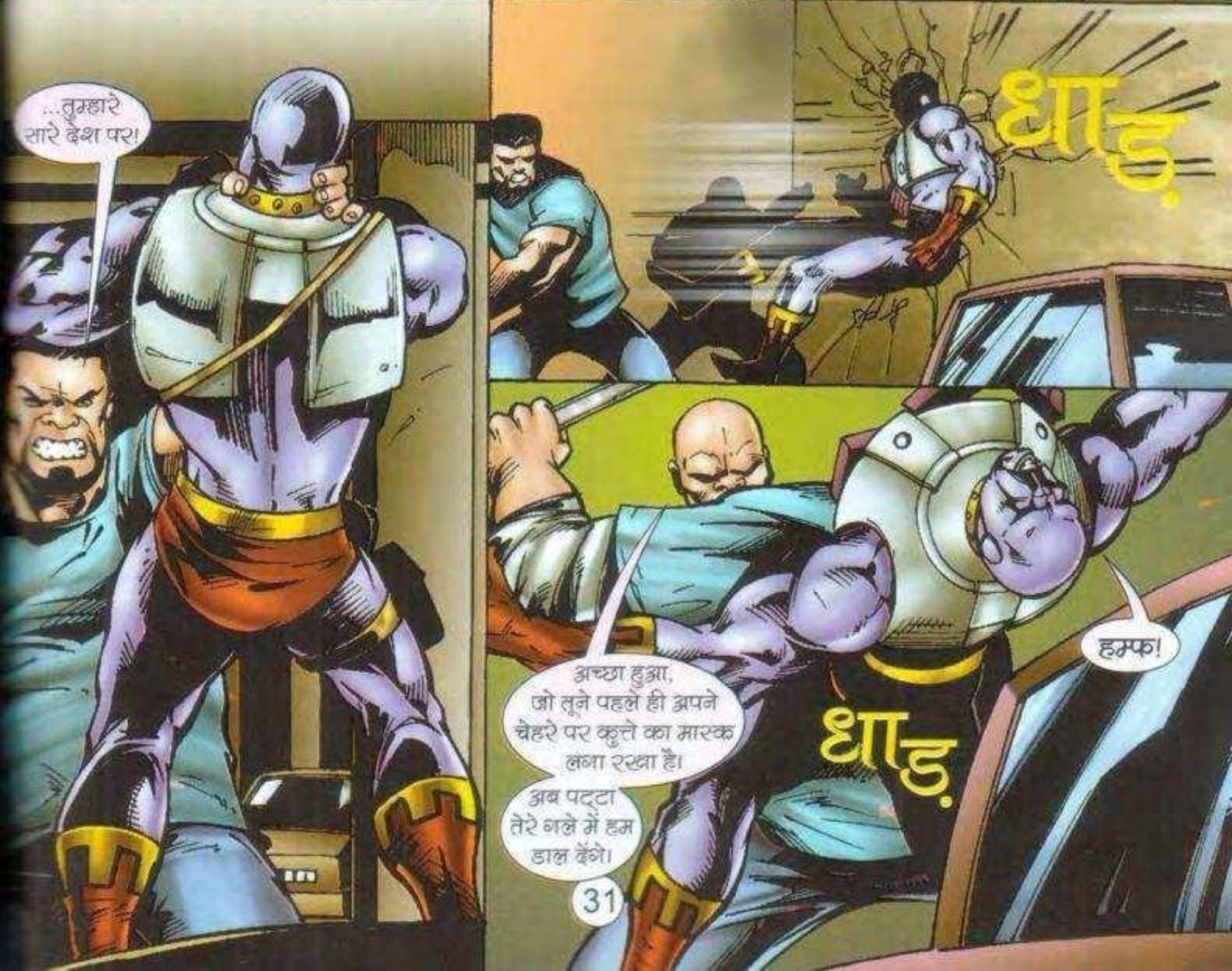
उसने मानवता की वफादारी का पट्टा पहन रखा है..।
सर्रर्र..
...वफादारी जिसे तुम लोग भूल गए हो।
धाड़
और तू... जो भी है, तुझे सब कुछ मैं भुलवा दूंगा।
खचाक
धम्म
इस संपोले की याददाश्त मैं भुलाऊंगा।
धाड़

टल के फर्स्ट फ्लोर पर हुए बम के धमाके से
भरा कर गिरा छत का एक हिस्सा।
र दुर्भाग्य से उस हिस्से के ठीक नीचे थे
गराज और डोगा।
जिन्नाह! निकल चल।
अपना सामान तो ले लें गाजी।
बूम
कड़ड़ड़
हम्फ!
ओफ्फ!!
सी समय चली गोलियों ने ऊपरी तल पर मौजूद इकलौते
तंकवादी को चीखने पर मजबूर कर दिया था।
जिंग जिंग आह
N.S.G. कमाण्डोज ने नरीमन हाउस के आतंकियो को मारकर वहां
के बंधकों को भी छुड़ा लिया था।
फतह!
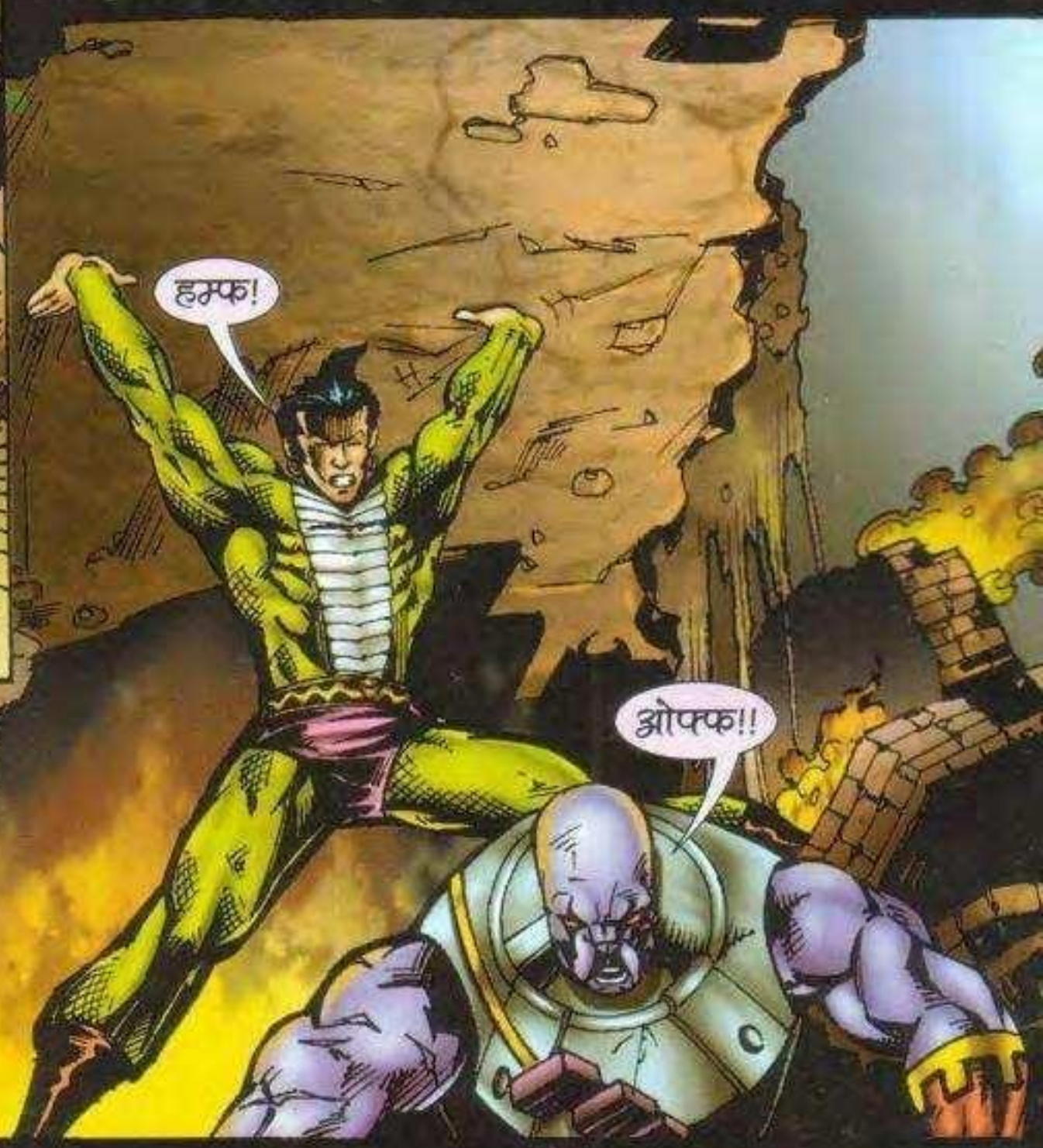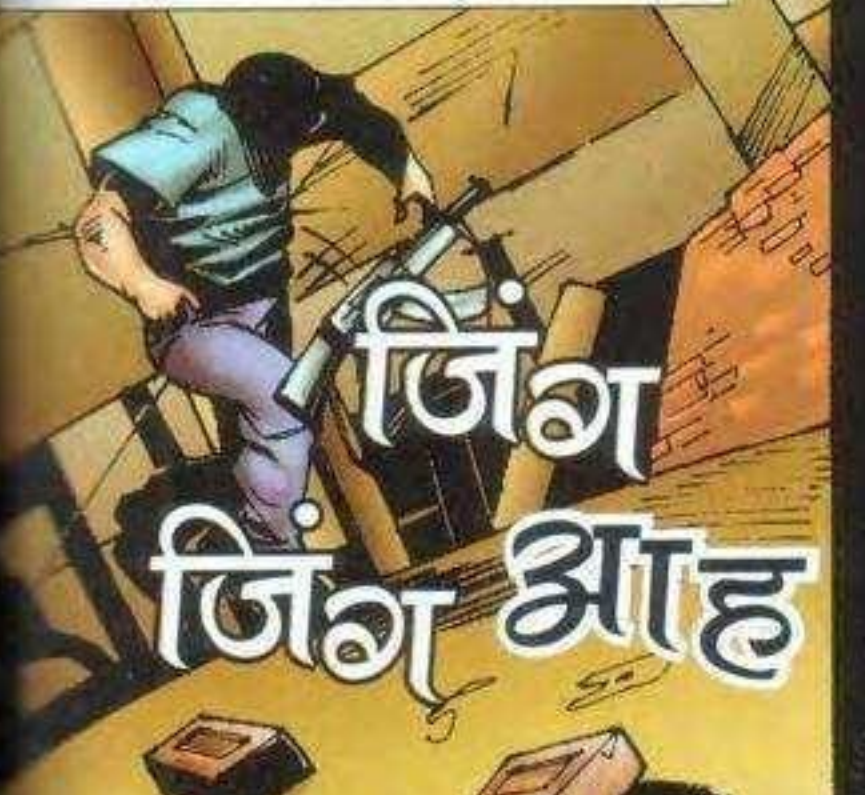
कंधे से कंधा मिलाकर चले मुम्बई पुलिस, सिक्ख रेजीमेंट, ATS और NSG के जवानों ने फतह किया मोर्चा। टेररिस्ट्स को दिया मुंह तोड़ जवाब। नौ आतंकवादी मार दिए गए, एक गिरफ्तार।
तुम जख्मी हो। तुम्हें इलाज की जरूरत है डोगा।
शरीर के जख्म डोगा को दर्द नहीं देते नागराज....
...मगर जब उसकी आत्मा घायल होती है तो तड़प उठता है डोगा...।
ये जंग भले ही जीत ली हो हमने नागराज। लेकिन आज मुम्बई के चप्पे-चप्पे पर मातम छाया है।
किसी बहन से उसकी राखी छिन गई। किसी पत्नी से उसका सिंदूर। किसी मां से उसका बेटा तो किसी बेटे से उसकी मां। आज कितने निर्दोष लोगों की जानें चली गईं। जार-जार रोती उनकी आंखों से बहते आंसुओं का कर्ज चढ़ गया है मुझ पर नागराज। डोगा की आत्मा छलनी हो गई है। उसे ये कर्ज उतारना है नागराज। उसे ये कर्ज उतारना है।
किसी घर में चोर घुस आएं तो कुत्ता भौंक-भौंककर पूरे मौहल्ले को सिर पर उठा लेता है। यहां तो इन चोरों ने घर में घुसकर घर के लोगों को ही भून डाला है। हां। मैं जख्मी हूं। तब तक तड़पता रहूंगा, जब तक घर में घुसे इन चोर-हत्यारों की बोटी-बोटी चीर फाड़ कर सुखा नहीं डालूंगा।

जख्मी सांप और जख्मी शेर और भी खतरनाक हो जाते हैं।
26/11 की खूनी घटनाओं को 10 टेररिस्टों ने अंजाम दिया। कामा हॉस्पिटल से एक जिंदा पकड़ा गया। उसका नाम है कसाई।
मासूम मुम्बई नहीं जानती अभी की सिरों पर मौत मंडरा रही है अभी भी।
बाकी हैं कुछ मक्कार अभी भी।
ओह मिशन पराक्रम सफल हो गया। इंडियन स्पेशल फोर्सेज जीत गईं। हमारे नौ साथी मारे गए, एक पकड़ा गया।
...ये बहुत बुरा हुआ।
वो भी क्यों नहीं मारा गया। शहीद हो जाता जन्नत पाता। अब ये हिन्दुस्तानी कुत्ते उसे टॉर्चर करेंगे।
जैसे अपनी बातें मनवाने के लिए हमने बेस्ट के इस जनरल मैनेजर को टॉर्चर किया।

और खुदा गवाह है मुझे बुरी चीजें बहुत बुरी लगती हैं...
चटाक
...इस मक्खी की तरह, जो बार-बार मेरी नाक पर बैठ कर मुझे परेशान कर रही थी।
इस पूरे मिशन में अभी तक सिर्फ दो ही बातें बुरी बीतीं जो हमारी सोची समझी नहीं थीं। एक तो कसाई जिंदा बच गया।
दूसरे बिजली समय पर आ जाती तो अंडे खराब नहीं होते और हम समय पर एक स्वादिष्ट आमलेट बनाने के लिए तैयार रहते।
अब ऐसा जोरदार आमलेट बनाऊंगा कि तुम सब उंगलियां चाटते रह जाओगे।

आमलेट बनाने की तैयारी मैं कर चुका हूं।
जिन्नाद! ये लिस्ट पकड़।
गाजी! जिन्नाद को मैंने कुछ खास रूटों पर चलने वाली बसों की लिस्ट दी है। अब जो मैं कहूंगा, वो ध्यान से कान खोलकर सुनना।
सावधानी हटी। दुर्घटना घटी। कहा था ना कान खोलकर सुन और तू कान में खुजली करने लगा। खुजली मत कर जूबा।
चटाक
देख जहरी कितने ध्यान से सुन रहा है।
अब हमारे पास समय कम बचा है। हमें जो भी करना है छः दिन में करना है।
छः दिनों से डोगा का भी सारा ध्यान सिर्फ और सिर्फ मुम्बई पर ही लगा था!!
मेरी मुम्बई को बदरंग करने वालों का जिस्म अब सिर्फ एक रंग में रंगा नजर आएगा...
...लाल!
...जो उनके खून का रंग होगा।
स्निफ
स्निफ
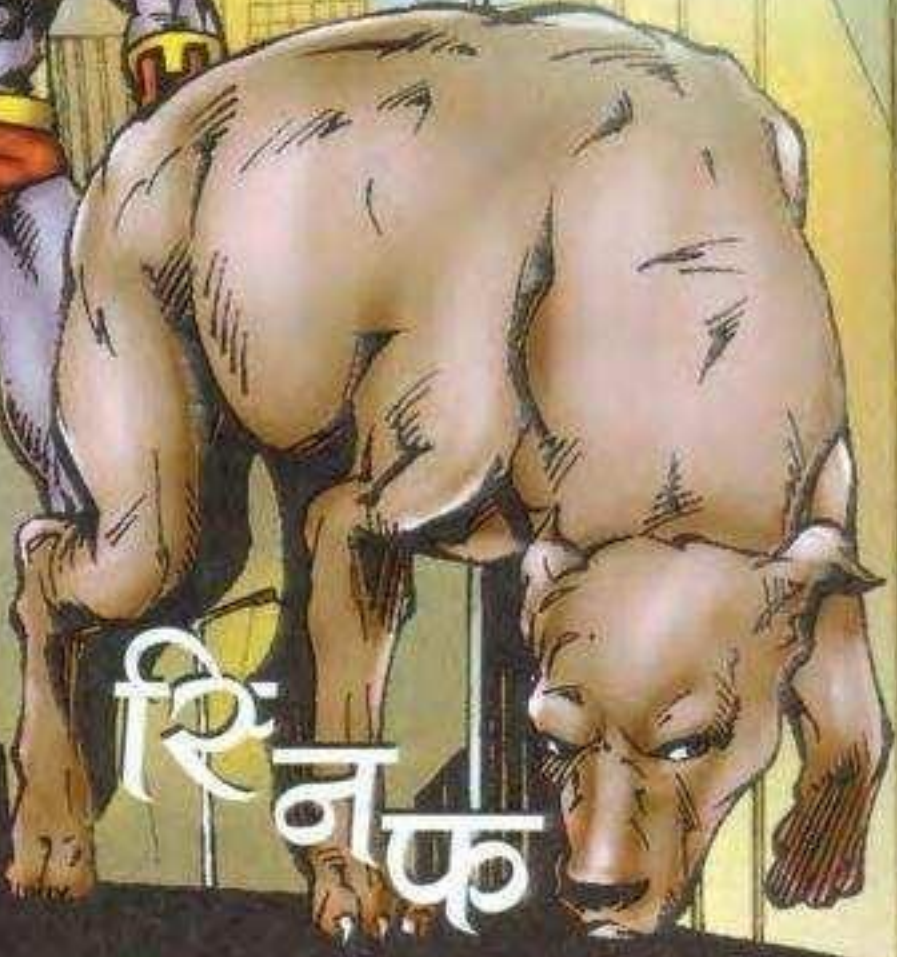
'बेस्ट' का रंग भी लाल था।
मुम्बई की लाइफ लाइन, जो हमेशा चलती रहती है।
वुफ
वुफ
गुर्रर्र
उसे रोकने की कोशिशें की जा रही थीं।
एक-एक करके बस से नीचे उतर जाओ। कोई सवाल नहीं।
ओह! बस के नीचे बम लगा है।
डोगा से सूचना पाकर बम डिस्पोजल स्क्वैड भी वहां पहुंच गया था।
यह बम डिफ्यूज नहीं किया जा सकता। हमारे छेड़ने से यह एक्टिव हो गया है।
भागो
बूमम

एन.एम.
डोगा के कुत्ते बम सूंघ सकते हैं!
अभी तो हमने बमों को एक्टिव भी नहीं किया था और पहला धमाका हो भी गया।
मुम्बई पुलिस सारी बसों की चैकिंग करवा सकती है। मुझे कल सुबह ही अपने प्लान को एक्टिव करना होगा।
लेकिन एन.एम.! आखिर ये लोग हैं कौन?
...वो हरी खाल वाला नागराज, जो अपने पास सांप रखता है और ये कुत्ते की शक्ल वाला डोगा। ये लोग घसियारे हैं जो अपराध की खरपतवार को काटते हैं, जो फिर उग आती है। ये फिर काटते है वो फिर उग आती है। तुम लोग इनमें दिमाग मत खपाओ।
इधर देखो। टेबल के नीचे। यहां बेस्ट के जी.एम. की लाश पड़ी है। इसे ले जाकर टॉयलेट में डाल दो।
आपने इसे मार दिया एन.एम.?
हां। हमने इसकी मदद से जो काम करना था, वो कर लिया है। इसके आदेश पर बेस्ट के सभी कर्मचारियों ने हमारा सहयोग दिया।
अब वह हमारे लिए खतरा बन सकता था।

SAFETY IS OUR MOTO
SAFETY IS OUR MOTO!
वही तो है बृहन मुम्बई इलेक्ट्रिक सप्लाई एण्ड ट्रांसपोर्ट अण्डर टेकिंग यानी 'BEST' का भी मोटो। हाहाहा।
बेस्ट की बस में विस्फोट ने एक बार फिर पूरे देश में तहलका मचा दिया था
नागराज जा पहुंचा सी.बी.आई डायरेक्टर के पास-
नागराज अभी तक की पूछताछ में कसाई बार-बार यही कह रहा है कि वो दस ही थे।
लेकिन कुबेर में हमें 15 बैडिंग, 15 जैकेट और 15 टूथब्रुश मिले हैं।
मैं एक बार उससे मिलना चाहता हूं।
देख कसाई तू एक फिदायिन है यानी आत्मघाती। मगर मैं तुझे एक तड़पती और जहरीली मौत दूंगा। मेरा जहर तुझे जानलेवा दर्द से तड़पाएगा लेकिन सच बताए बिना तू मरेगा भी नहीं।
बता कि तेरे बाकी के पांच साथी कहां हैं?
वो दो कौन थे जो डोगा और मुझसे ताज के बेसमेंट में टकराए थे? कौन है वो जिसने बस में बम लगाया था?
जवाब दे।
मेरा एक ही जवाब है कि मैं कुछ नहीं जानता। तुम्हें जैसी मौत मुझे देनी है दे दो।
नागराज हमने इसे हर तरह से टार्चर कर लिया है। इसे यातना देना भैंस के आगे बीन बजाने जैसा है।
अब बजेगी नागराज की बीन।

ये भैंस सुनेगी भी और सुनाएगी भी। सब सच सुनाएगी।
बताओ। तुम मुम्बई में कैसे ऐंटर हुए?
समुद्र के रास्ते मुम्बई में प्रवेश के लिए हमने कुबेर ट्रॉलर पर कब्जा किया था।
तुम कितने लोग थे?
पंद्रह!!!
तुम्हारी प्लानिंग क्या थी?
हमें एन.एम., गाजी, जिन्नाद, जहरी और ज़ुबा को मुम्बई में सुरक्षित प्रवेश कराना था। उन्हें छुपने का मौका देने के लिए हमें मुम्बई में मौत का ताण्डव मचाते हुए होटल ताज और होटल ओबरोए ट्राइडेंट में ठहरे अतिथियों को बंधक बनाना था।
"लियो-पोल्ड रेस्तरां से हमें स्लिपिंग एजेंट द्वारा पुलिस की गतिविधियों की जानकारी के लिए पुलिस फ्रीक्वेंसी ट्रांसमीटर और लोकल मोबाइल यूज़ के लिए सिम-कार्ड हासिल करने थे...।"
जिंग
जिंग
"...हमारे दो आदमी वहां गोलीबारी करते हुए गए और अपना सामान भी ले आए।"

"छत्रपति शिवाजी टर्मिनल रेलवे स्टेशन से भी हमें कुछ डिवाइस लेने थे जिन्हें रेल द्वारा भेजा गया था। यहां भी गोलीबारी करके हमने वो डिवाइस प्राप्त किए।"
"पुलिस फ्रीक्वेंसी वाले ट्रांसमीटर पर हमें पता चला कि ए.टी.एस. की टीम कामा हॉस्पिटल पहुंचने वाली है। हमने वहां पहुंचकर उन्हें मार डाला। ताकि सुरक्षा एजेन्सीज में भी आतंक फैले।"
"इसके बाद मैं गिरफ्तार हो गया-"
"लेकिन हमारे बाकी साथ अपना काम बखूबी करते रहे।"
"होटल ताज की बेसमेंट पार्किंग में हमारा सामान पहले से ही छुपा दिया गया था।"
"जिसे गाजी और जिन्नाद निकाल ले गए।"
ताज से और छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से हासिल किया वो सामान क्या था?
इसके अलावा मुझे कुछ नहीं मालूम। हमारा काम था जिंदा रहने तक आतंक मचाना। वो हमने किया। एन.एम. के मिशन के बारे में हमें कुछ नहीं बताया गया था।
शायद वो सामान बम हो जो बेस्ट में फटा है।
"एन.एम.। बेस्ट की बसों में बम लगाने का काम पूरा हो चुका है।"
वो थोड़ी देर बाद बसों के सड़कों पर आते ही फट जाएंगे। अब हम लोग यहां से निकल क्यों नहीं रहे हैं?
जूबा। तू खाना खाता है तो आधा खाना खाकर उठ क्यों नहीं जाता?

नहाने जाता है तो शरीर पर साबुन लगाकर उसे हटाए बिना गुसलखाने से बाहर क्यों नहीं आ जाता?
...क्योंकि ये सब काम अधूरे हैं। और मुझे कोई भी काम अधूरा छोड़ने की आदत नहीं है।
ये बम अपने आप नहीं फटेंगे। जब मैं चाहूंगा, जिस बम को चाहूंगा, जहां चाहूंगा...
कपड़े पहनता है तो सिर्फ अण्डरवियर और बनियान ही क्यों नहीं पहन लेता?
"...वहां फटेंगे।"
बूम्म
"और ये इतने पॉवर फुल स्मार्ट बम हैं कि अपने आसपास की इमारत को भी ऐसे धराशायी कर देंगे जैसे जलजला आ गया हो।"
धड़ड़ड़ड़
बूम्म

SAFETY IS OUR MOTTO!
हाहाहा! इन बमों के धमाकों से मैं अपनी भी SAFETY कर रहा हूं।
अपनी Safety?
हां! इस ओर आने-जाने वाली सभी सड़कों को बिल्डिंगों के भारी मलबे से बाधित कर रहा हूं ताकि पुलिस फोर्स के वाहन इस ओर नहीं आ पाएं।
बेस्ट के G.P.S. सिस्टम से मुझे सभी बसों की स्थिति का पता चल रहा है। अब मैं बेस्ट की सभी बसों को खास बिल्डिंगों के सामने जाम कर दूंगा।
यह कारनामा मैं यहीं बेस्ट के मुख्यालय में बैठकर करूंगा। बसों में लगाए हमारे विशेष नियंत्रक ये काम बखूबी कर देंगे।
अब मुम्बई के सभी रेडियो स्टेशन्स पर गूंज रहा था एन.एम. का संदेश-
कुछ ही देर बाद बेस्ट की बसें अपने आप रुक गईं।
मुम्बई वासियों! मैं हूं एन.एम. यानी की नेनो मीटर। तुम्हारी मुम्बई और तुम 20 करोड़ मुम्बईवासी अब मेरे कब्जे में हो सॉरी रहमोकरम पर हो। मैं तुम्हें छोड़ना तो नहीं चाहता लेकिन रहम दिल हूं इसलिए सिर्फ 25000 करोड़ में तुम्हें छोड़ दूंगा। जब तक मुझे 25000 करोड़ का सोना नहीं मिल जाता मैं हर आधे घंटे में एक बस में विस्फोट करता रहूंगा।
पूरी मुम्बई में मानो सन्नाटा छा गया।
लेकिन एक ही पल के लिए-
फिर ऐसी चीखोंपुकार, ऐसी भगदड़ मची कि जैसी कभी मुम्बई ने ना देखी, ना सुनी थी।
सुरक्षातंत्र तुरंत एक्टिव हुआ।
बसें खाली करो।
लेकिन
बूम
बड़ाम
तुरत फुरत पूरी मुम्बई को पांच धमाकों से दहलाने के बाद फिर गूंजा एन.एम. का रेडियो संदेश।
ना ना बसें खाली मत करो। सवारियों के उतरते ही बस बम बनकर फट जाएगी। घर जाने की इतनी जल्दी भी ना करो कि शमशान और कब्रिस्तान पहुंच जाओ।

VOIP अर्थात् वॉइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल के जरिए एन.एम. की आवाज सीधी पी.एम. हाउस में ब्रॉडकास्ट हो रही थी-
देखिए पी.एम. साहब मुम्बई में जो कुछ हुआ हमें उसका बड़ा अफसोस है। अब हम आपको और दुखी नहीं करना चाहते।
क्या चाहते हो?
कुछ नहीं जी बस दो वक्त की रोटी और सिर छुपाने की जगह।
बकवास मत करो। बताओ क्या चाहिए तुम्हें?
जी हमें पिजा, बर्गर, कोल्ड ड्रिंक चाहिए।
कितना पैसा चाहिए?
बता तो चुका हूं, 25000 करोड़ का सोना चाहिए I.N.S. विराट में।
क्या बकवास कर रहे हो?
जी मुझे लगता है कि मैंने कुछ सुना। क्या आपने सुना?
क्या सुना?
चचच बुरा हुआ। एक और बस में धमाका हो गया। मर गए होंगे पचास, सौ।
तुम ऐसा नहीं कर सकते।
होनी को कौन टाल सकता है जी। तो मैं सौदा पक्का समझूं?
हम सोना तुम्हें प्लेन में दे देंगे।
मुझे प्लेन में चक्कर आते हैं जनाब और आजकल आपके प्लेन्स बहुत क्रेश हो रहे हैं। एण्टी एयर क्राफ्ट मिसाइल्स का भी बहुत खतरा है।
I.N.S. विराट ही क्यों? तुम कोई भी शिप ले सकते हो?
कोई भी शिप विराट नहीं हो सकता जनाब। मेरा बचपन का सपना था कि मैं एयर क्राफ्ट केरियर में बैठूं। सुना है फ्लैग शिप माना जाता है उसे इंडियन नेवी का। आपने बहुत खर्चा किया है उसकी रिपेयरिंग पर, एशिया का ताज है वो शिप। आप लोग अपने इकलौते एयर क्राफ्ट केरियर की शान पर आंच नहीं आने दोगे। नहीं, नहीं जनाब मैं उसमें बैठने का लालच नहीं छोड़ सकता। मुझे विराट ही चाहिए।
I.N.S. विराट उपलब्ध नहीं हो सकता। वो कोच्ची शिपयार्ड में रिपेयरिंग के लिए खड़ा हुआ है।
क्यों मजाक कर रहे हो जनाब। वो तो दुनिया दिखावे को है। असल में तो वो मुम्बई के समुद्र में ही है नेवी डे सेलिब्रेशन के लिए। क्या करें हमें अंदर की खबरों का पता रहता है।
तुम्हारी मांगें मानी नहीं जा सकतीं।
मुझे कुछ सुनाई नहीं दिया बाहर बहुत शोर है। लगता है फिर किसी बस में धमाका हुआ है।
हमें सोचने के लिए समय चाहिए।
समय दिया। बारह घंटे। सोचने के लिए भी और करने के लिए भी। बारह घंटे में सोना विराट में लदवा दीजिए। एक हैलिकॉप्टर मुझे वहां पहुंचाने के लिए तैयार कीजिए। आप यह काम जितनी जल्दी करेंगे उतनी ही जानें बचा पाएंगे क्योंकि इन बारह घंटों में हर आधे घंटे के अंदर एक बस में विस्फोट होता रहेगा। मुम्बईवासियों को बचाइए जनाब अगले इलेक्शन में आपकी सरकार ही जीतेगी।

डोगा और नागराज तपते तवे पर डाली गई पानी की बूंदों की तरह तड़फड़ा उठे थे।
उफ! आतंक की पराकाष्ठा है ये!!!
हुंऊ! तुम काहे के आतंकहर्ता नागराज, जिसकी आंखों के सामने आतंक ने बेखौफ होकर मुम्बई की सांसों में अस्थमा कर दिया है!!
और मैं काहे का रात का रक्षक डोगा, जो अपनी मुम्बई और मुम्बई के लोगों की रक्षा ही नहीं कर पाया।
लानत है नागराज हम दोनों पर।
बसों को खाली नहीं करवाया जा सकता। लेकिन बसों के आसपास की इमारतों को खाली करवाना होगा।
वो पांचों कहां छुपे हैं? हमें जल्दी से जल्दी उन्हें ढूंढना होगा।
नागराज! आखिर यह एन.एम. कहां छुपकर यह सब कंट्रोल कर रहा हो सकता है?
डोगा! यह काम एक ही जगह से संभव है। बेस्ट के मुख्यालय से, जोकि कोलाबा में है। वहीं लगा है G.P.S. कंट्रोल सिस्टम। वहीं की सड़कों को धमाकों से अवरुद्ध किया गया है ताकि पुलिस उस तक आसानी से ना पहुंच पाए और आतंकवादी हमले भी कोलाबा में ही हुए थे ताकि ये लोग बेस्ट के मुख्यालय में प्रवेश कर सकें।
तो हमें...
हां हम अब वहीं चल रहे हैं।
एन.एम. गुस्से में भभक रहा था।
एक सांप है और दूसरा कुत्ता। ये डोगा और नागराज मुसीबत खड़ी करेंगे। और मैं उनकी खाट खड़ी करूंगा।
किसी भी वक्त दोनों कम्बख्त यहां भी आ सकते हैं। दोजख बनाओ। घेर लेना कम्बख्तों को दोजख में। बचने ना पाएं।
सिल बट्टे की चटनी की तरह पीस डालना नामुरादों को।
नैनोमीटर! हमें तुम्हारी शर्तें मंजूर हैं। हम तुम्हें आई.एन.एस. विराट और 25000 करोड़ का गोल्ड देने को तैयार हैं। तुम मुम्बई में तबाही बंद करो।
ठीक है जनाब। हम लोग तो वैसे भी अहिंसा के पुजारी हैं। आप बेस्ट के मुख्यालय पर मेरे लिए हेलिकॉप्टर भेजें। लेकिन जब तक मैं सुरक्षित ना निकल जाऊं बसों से यात्री नहीं उतारे जाएंगे क्योंकि बम बहुत बदमाश हैं कभी भी फट सकते हैं।

I.N.S.विराट पर जैसे अचानक तूफान आ गया था।
सभी एयर क्राफ्ट्स को हटाओ और सभी वार हैड्स के फ्यूज भी निकाल दो। विराट पर लदा बारूद हटाने का समय नहीं है लेकिन यह उनके किसी काम का नहीं रहना चाहिए।
I.N.S. विराट के सभी 'क्रू' मेम्बर्स तुरंत I.N.S. विराट को छोड़ दें।
गाजी, जिन्नाद, जहरी और जूबा दोजख के चार यमदूत-
मैंने अपनी पिस्टल में भरे हुए हैं अपने जहर के कैप्सूल। मेरा जहर सायनाइड से ज्यादा खतरनाक है। अभी इसका असर देखना।
हरी के जहर का कैप्सूल पानी की टंकी में ुल गया। टंकी में भरा 500 लीटर पानी जहरीला जाब बनकर टंकी को लाकर बाहर निकला-
यह जहरीला जाब पूरी इमारत गला देगा। यही हाल गा आसपास की भी इमारतों का।
मैं हूं जूबा। स्नाइपर। छलिया निशानची। जितनी गोलियां उतनी हत्याएं। इराक का सबसे खूंखार हत्यारा जिसके कहर से अमेरिकियों तक की हवा सरक गई थी।
ये है मेरी लट्टू गन। जहरी अब तुम इसका कमाल देखना।
सैकड़ों लट्टू सड़क पर चक्रवात की तरह घूमने लगे-
स्क्रिऽऽश
स्क्रिऽऽश
कुछ ही पलों में सभी लट्टू सड़क में समा गए।
ये क्या मजाक था जूबा?
ओह! अभी इन्होंने तुम्हें कोई कमाल नहीं दिखाया। सड़क में समा गए सभी कम्बख्त।

जहरीली इमारतों से अपनी जिंदगी बचाने को भागते लोग सड़कों पर आ गए-
बूम्म
देखा। है ना कमाल? यही तो है दोजख। पूरी सड़क बन गई है बारूदी सुरंग।
धड़ाम
दोजख में आग की कमी थी जो मैंने पूरी कर दी।
अब बारी मेरी यानी गाजी की। गाजी का मतलब विजेता। मैं हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहता हूं। इसलिए यह बख्तरबंद और अपने हथियार 24 घंटे शरीर पर लादे रखता हूं।
मुझमें है सौ जिन्नों की ताकत। मैं हूं जिन्नाद। आका के हुक्म का ताबेदार। आका ने हुक्म किया कि दोजख बनाओ। दोजख बन गया।
जिन्नाद लेगा नरबलियां और दोजख को देगा आहार।
ये हरी काई और कुत्ता बनेंगे पहला शिकार।

ओह! यहां तो इन्होंने नरक बना रखा है। पूरे शैतान हैं ये लोग।
नागराज हमें बिल्डिंग में फंसे लोगों को भी बचाना होगा।
हां लेकिन पहले इन शैतानों को रोकना जरूरी है।
तुझे मौत तक पहुंचने की बहुत जल्दी है नागराज।
जिन्नाद की ताकत का अंदाजा नहीं है तुझे।
अपनी मौत को तो तूने खुद अपने करीब बुला लिया है जिन्नाद। मेरी विष फुंकार तुझे मौत की नींद सुला देगी।
फुऽऽऽऽ
मेरी नाक बचपन में ही टूट गई थी। ये कुदरती फिल्टर बन चुकी है नागराज। मुझ पर तेरा विष असर नहीं करेगा।

तेरे विषधरों के दांत मेरी फौलादी चमड़ी से टकराकर टूट जाएंगे।
और मैं तोड़ दूंगा हर वो चीज जो तुझे पनाह देगी।
बड़ाम
जिन्नाद! डोगा तुझे जिंदा नहीं छोड़ेगा।
ओह एन.एम. ने बताया था कि तुम घसियारे हो लेकिन ऐसे घटिया औजारों से कैसे आतंकवाद की घास काट पाओगे।
आतंकवाद मिटेगा हमारे जनून से। तुम्हारी लैण्ड माइन्स तुम्हारी ही मौत बन जाएंगी।
बूम्म
बड़ाम

मेरे शरीर के लिए तो यह आतिशबाजी के पटाखे हैं।
तेरे जिस्म को जरूर तंदूर में भुना गोश्त बना देंगे ये धमाके।
सांय
अगले ही पल नागराज और डोगा पर बरस पड़ी यमदूतों की गोलियां-
जिंग
जिंग
जिंग
डोगा ब्लैक पीपर आर्ट का माहिर था। गोलियों को छलावा देना उसके लिए कोई मुश्किल काम ना था।
सांय
सांय
जिंग
जिंग
और नागराज का जिस्म तो गोलियों को कबूल ही नहीं करता।
बाहर उगल देता है।
हिस्स
सांय
बारूदी सुरंगों का कुछ इंतजाम करना होगा।

नागराज ने नागरस्सी से मलबा बनी उस इमारत को खींच लिया-
धड़ाम
धड़ाम
इमारत का मलबा भरभरा कर सड़क पर गिरा। लैण्ड माइन्स के धमाकों और इमारत के गिरने का जबरदस्त शोर गूंजा।
और उस शोर के नीचे बन गई चारों यमदूतों की कब्र।
बारुदी सुरंगो का खतरा टल गया।
मारे गए चारों शैतान।
दोजख में छा गया था सन्नाटा।
कि तभी-
धड़ाम

चारों बेहद खूंखार और खतरनाक नजर आ रहे थे।
सांय
धड़
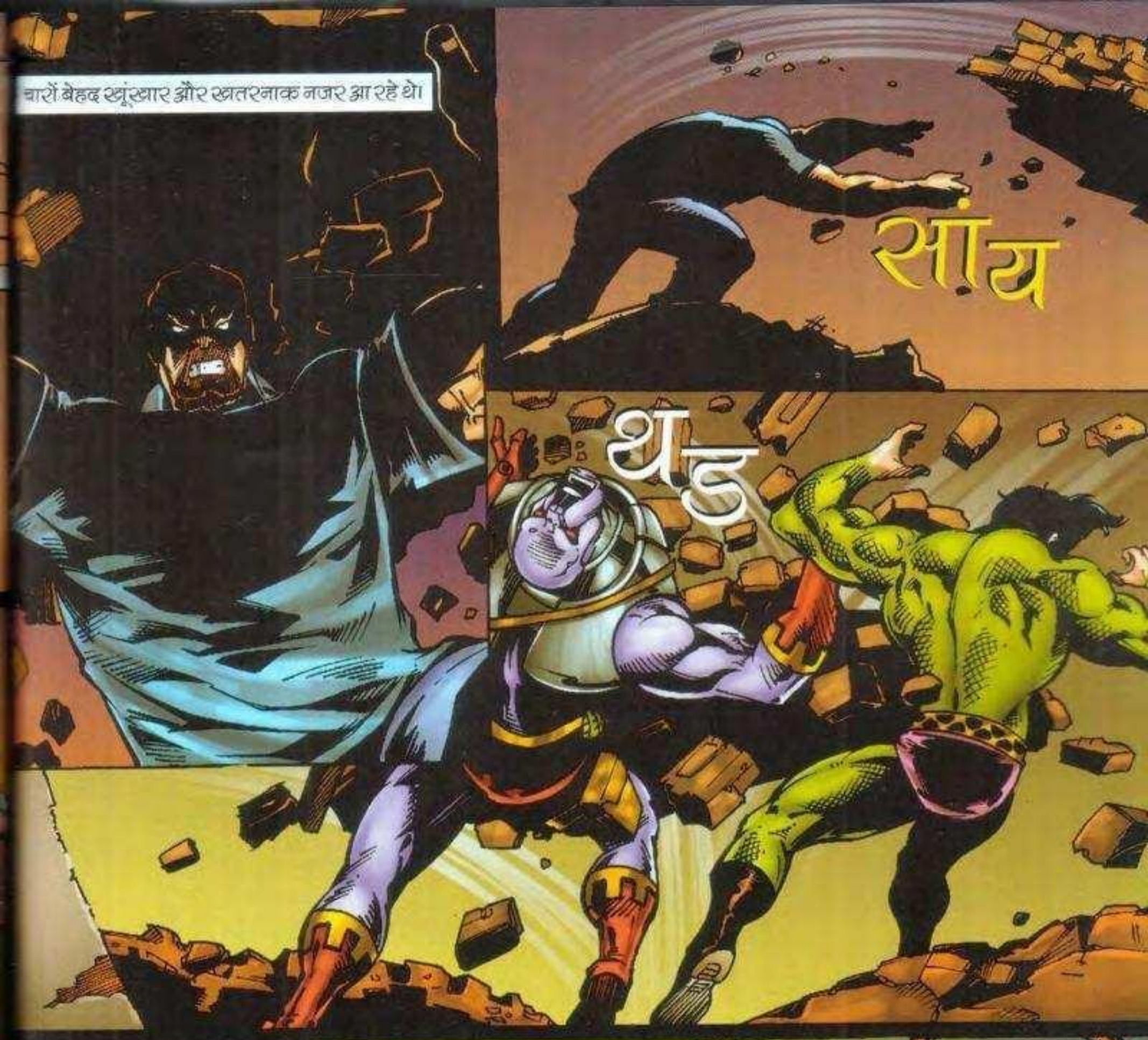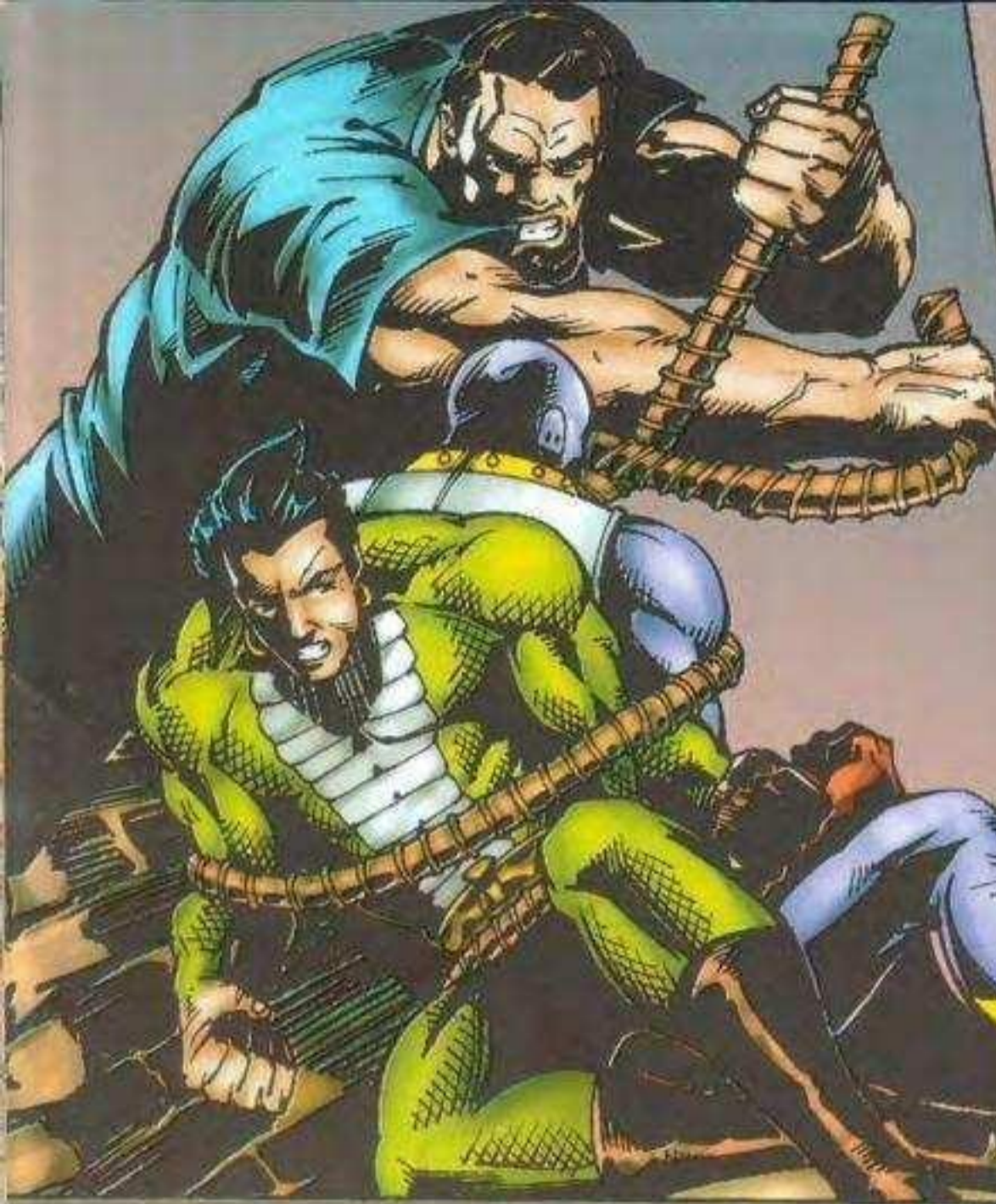
चारों बेरहमी के साथ उन पर टूट पड़े-
तभी-
थड़
धाड़
चांदनी!
हां नागराज! तुमने मेरी इतनी मदद की। अब तुम्हारे अहसान चुकाने का समय आ चुका है।

फट फट फट
इस नेक काम में चाहे मेरी जान चली जाए।
मैं इन दरिंदों का ये खूनी तमाशा नहीं देख सकती थी।
गद्दार वतन फरोश। तू तो आका की गुलाम थी।
आहऽऽ
इन काफिरों का साथ दे रही है। तुझे सजा-ए-मौत मिलेगी।
जहरी, जूबा, गाजी, जिन्नाद समय खराब ना करो। इस गद्दार चांदनी को मुझे सौंप दो इसका फैसला वतन पहुंचकर करेंगे।
इसकी सजा मिसाल बनेगी आका के गद्दारों के लिए।
जिन्नाद के एक ही ताकतवर वार ने चांदनी को बेहोश कर दिया-
तुम लोग इन दोनों तिलचट्टों को जल्दी से पीस डालो और चलो मेरे साथ।
तिलचट्टों को मसलना मेरा मनपसंद शौक है एन.एम.।
रुको जिन्नाद।
हमें समय नहीं खराब करना मेरा जहर पलभर में इन्हें गला देगा।
नागराज और डोगा ने एक-दूसरे को इशारा किया।

और दोनों का शरीर एक साथ ही हरकत में आया-
याऽऽऽ
हाऽऽऽ
इन तिलचट्टों को मसलना आसान नही है कमीनो!
जिन्नाद ने जड़ा नागराज को घूंसा।
जहरी ने छोड़ी जहरीली विष फुंकार।
ओह! इसका जहर बहुत जानलेवा है। मेरे नोज फिल्टर मुझे इससे ज्यादा देर नहीं बचा पाएंगे।
इसकी विष फुंकार से बचना होगा। इस फ्रिज का एयर टाइट दरवाजा मुझे बचाएगा।
बाहर निकल कायर।

उसी क्षण डोगा ने फुर्ती से दरवाजा खोल दिया।
डोगा के हाथ में थमी अपनी ही पिस्टल का निशाना बना जहरी।
जिंग
धाड़
जहरी को मार कर खुश ना हो डोगा! मौत अभी और भी हैं!
नागराज ने थामा जिन्नाद को।
नागराज! ये है आबे जमजम!
गट
गट
मजबूत फंदा मजबूत गर्दन को कसने लगा-

जब यह मेरे जिस्म में उतरता है तो मैं और दस गुना ताकतवर हो जाता हूं।
मैं आज तक हर युद्ध का विजेता रहा हूं डोगा।
इस मिशन की जीत के लिए मुझे इसीलिए चुना गया था।
अब तुझे चुनने वालों को और तुझे यह अफसोस होगा कि तुझे हिन्दुस्तान के लिए क्यों चुना गया।
अब जिम्माद तुझे पटक-पटककर मारेगा नागराज।
क्योंकि अब तू सिर्फ कब्र के लिए ही चुना जाएगा।
और तेरी कब्र बनेगी तेरा बख्तरबंद क्योंकि हिन्दुस्तान के कब्रिस्तानों में कोई तुझे कब्र देगा नहीं और पाकिस्तान तेरी लाश को अपनाएगा नहीं।
विजेता नहीं बदनसीब है तू।
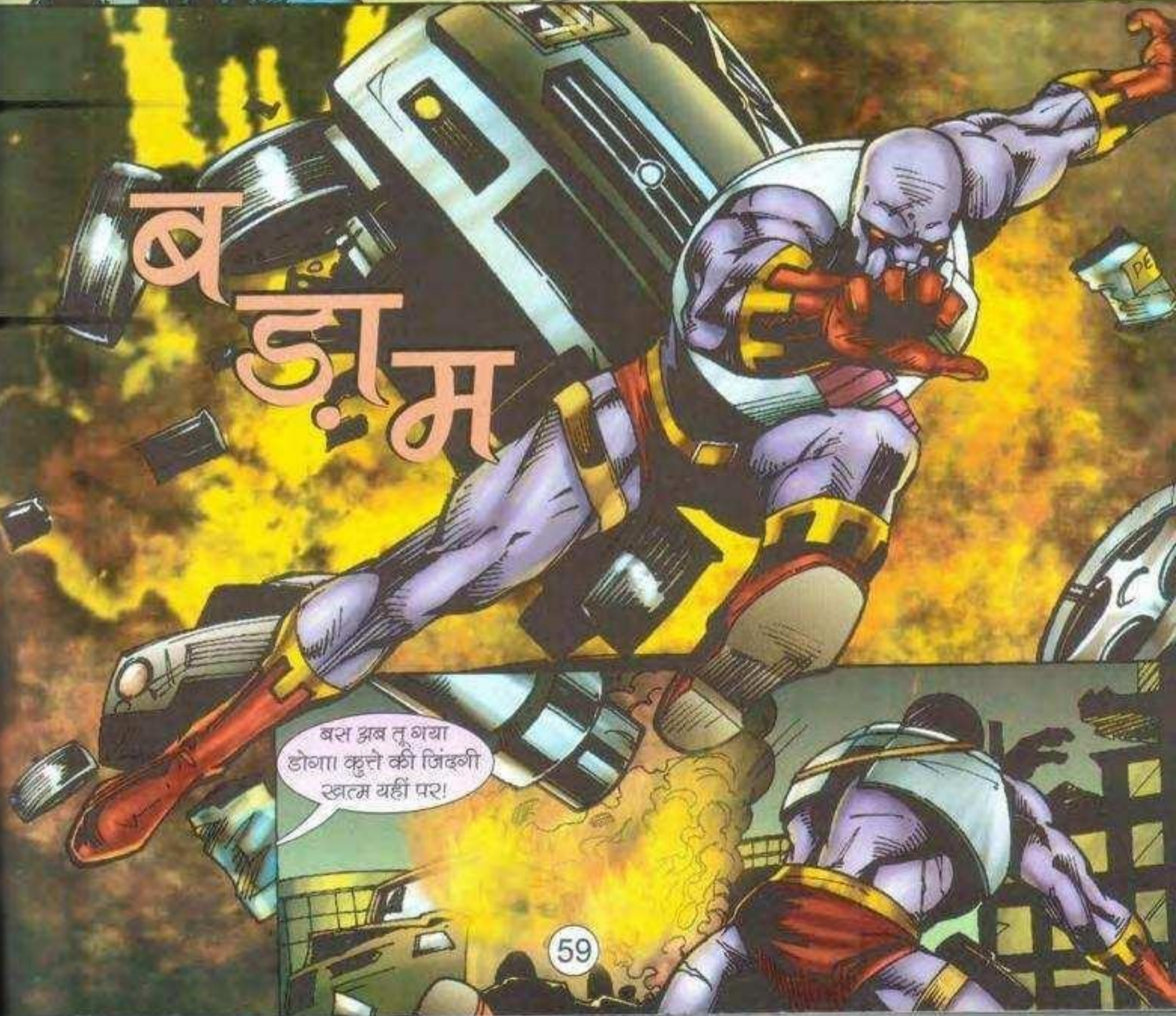
धाड़
अब नागराज मरेगा धपाक, धपाक, धपाक।
धाड़
गाज़ी की पीठ से निकल आई थी वो तोप।
गाजी हर जंग का विजेता है।
यह जंग भी जीतूंगा मैं।
बड़ाम
बस अब तू गया डोगा। कुत्ते की जिंदगी खत्म यहीं पर!

सही कहा
तूने गाजी...
...कुते की
जिन्दगी ...
बड़ाम
...यहीं खत्म!
तू जंग हार
गया गाजी!
देख
एन.एम. भी
तुम्हारी हार को
भांप कर भाग
लिया है।
धाड़

लेकिन इससे पहले कि नागराज और डोगा संभल पाते।
अब तुम दोनों की मौत निश्चित है।
जल्लाद था जूबा।
देखना यह है कि तुम फांसी से मरते हो या धमाकों से।
तुम्हारे आगे है कुआं। पीछे है खाई।
जूबा एक कहावत और प्रसिद्ध है।
जो दूसरों के लिए खाई खोदता है...
...अक्सर वही अपनी खोदी हुई खाई में गिरता है।
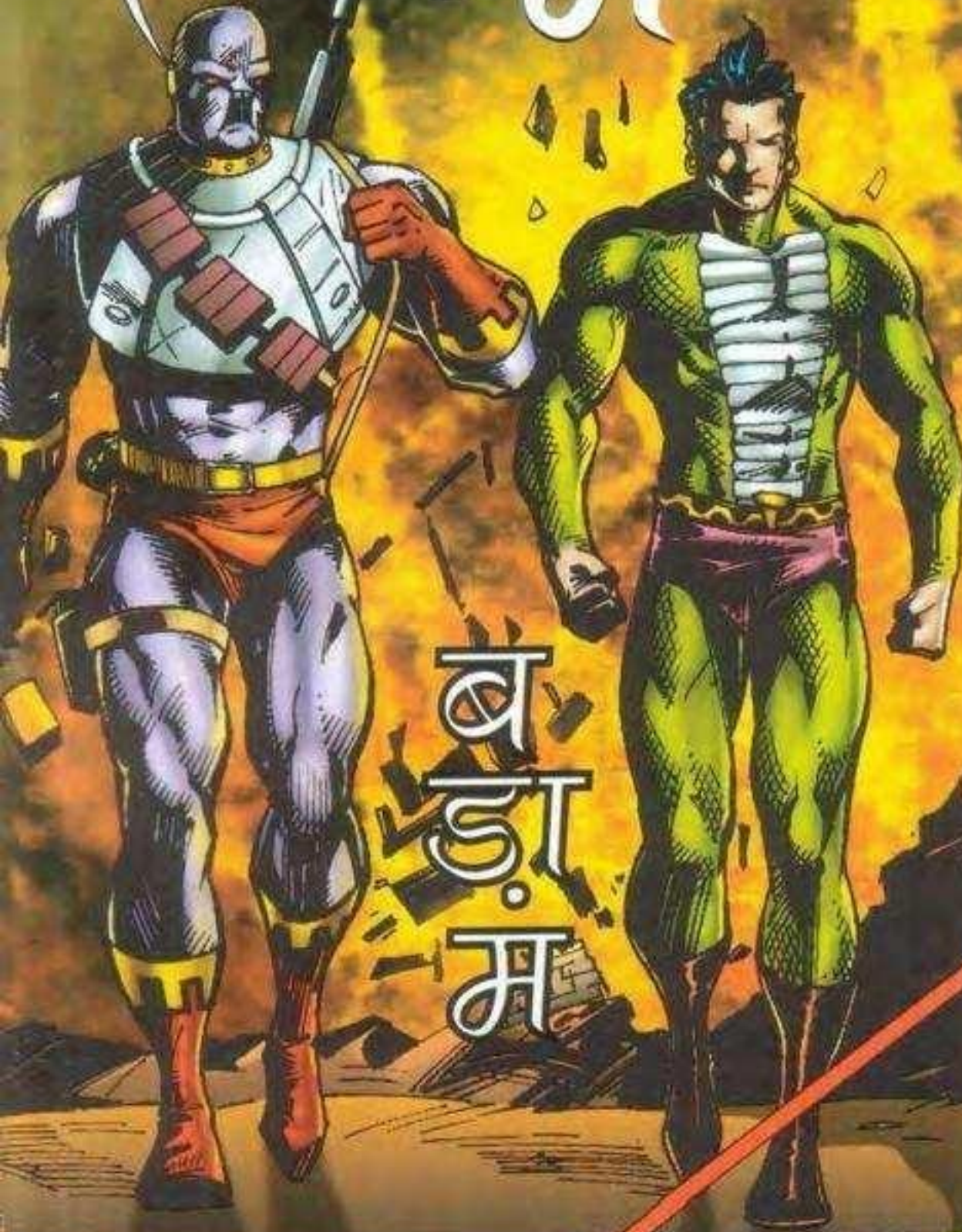
बूमम
तुझे मौत देंगे धमाके।
बडा़ंम
जल्द ही वहां पहुंच गईं पुलिस और दमकल की गाड़ियां।
बेस्ट के हैड क्वार्टर में जी.एम. की लाश मिल गई।
यहां के कम्प्यूटरों से छेड़छाड़ हुई है। नैनो मीटर ने इन्हें हैक किया है। इनका कंट्रोल अभी भी उसके हाथों में है।
बसों को खाली करवाया जा सकता है डोगा।
वो कैसे नागराज?
डोगा जब बस खाली करवाई गई थीं तब बस से यात्रियों के निकलना शुरु करते ही धमाका नहीं हो गया था। धमाका तब हुआ था जब बस में से आखिरी यात्री भी निकल गया था।
नागराज को सर्प संदेशों से और डोगा को पुलिस फ्रीक्वेंसी के ट्रांसमीटर से सारी खबरें मिल रही थीं।
नागराज एन.एम. अभी भी बसों में ब्लास्ट कर सकता है।
उस पर यकीन नहीं किया जा सकता। वो 25000 करोड़ का सोना और विराट लेने के बाद भी ब्लास्ट करके आतंक मचा सकता है। वाकई बसों को खाली नहीं करवाया जा सकता।
यानि की बस में कोई ऐसा सेंसर लगा हुआ है जो बस में गतिविधि रुकते ही धमाका करता है। या कोई हीट सेंसर है जो बस में इंसानी जिस्म की हीट शून्य होने पर बम को एक्टीवेट करता है।
नागराज तुमने सही सोचा। ऐसा ही हुआ होगा।

नागराज का संदेश पुलिस अथॉरिटी तक पहुंचा।
बसों को यात्रियों से खाली करवाया गया-
लेकिन हर बस में एक-एक पुलिस वाले को सवार कर दिया गया।
किंतु अभी भी 4000 पुलिसजनों की जान खतरे में थी।
तभी भीड़ को चीरकर आगे आया एक व्यक्ति-
नागराज मुझे तुम्हें कुछ बताना है।
बोलो दोस्त।
नागराज मैं बेस्ट का इंजीनियर मोहित शर्मा हूं। दो दिन पहले जी.एम. साहब के आदेश पर सभी बसों में स्पीड कंट्रोल डिवाइस लगाए गए थे।
"मुझे वो डिवाइस कुछ अजीब से लगे थे। मैं चाहता हूं कि उन्हें एक बार चैक किया जाए।"
हां। यही वो डिवाइस है जिनसे बसों को जाम किया गया और इन्हीं में वो सेंसर फिट हैं।
तब नागराज ने किया एक एक्सपेरीमेंट।
उस डिवाइस के इर्द-गिर्द एक सांप को लपेट दिया गया।
तब एक-एक करके वो बस खाली कर दी गई।
बस में बचा केवल नागराज।
अब केवल दो जिंदगियां दांव पर थीं। एक सांप की और एक नागराज की।

और तब नागराज ने बस को छोड़ दिया-
एक पल के लिए चारों तरफ सन्नाटा छा गया-
लेकिन दूसरे ही पल लोगों की खुशी के शोर से गूंज उठा वो इलाका।
हुर्रे...
बस में विस्फोट नहीं हुआ।
तब नागराज ने मुम्बई के सांपों से साधा मानसिक संपर्क।
मुम्बई की हर बस में लगे सेंसर से लिपट गया एक-एक सांप।
सभी 4000 बसों को खाली करवा दिया गया।
BEST
अब मुम्बई सुरक्षित थी।
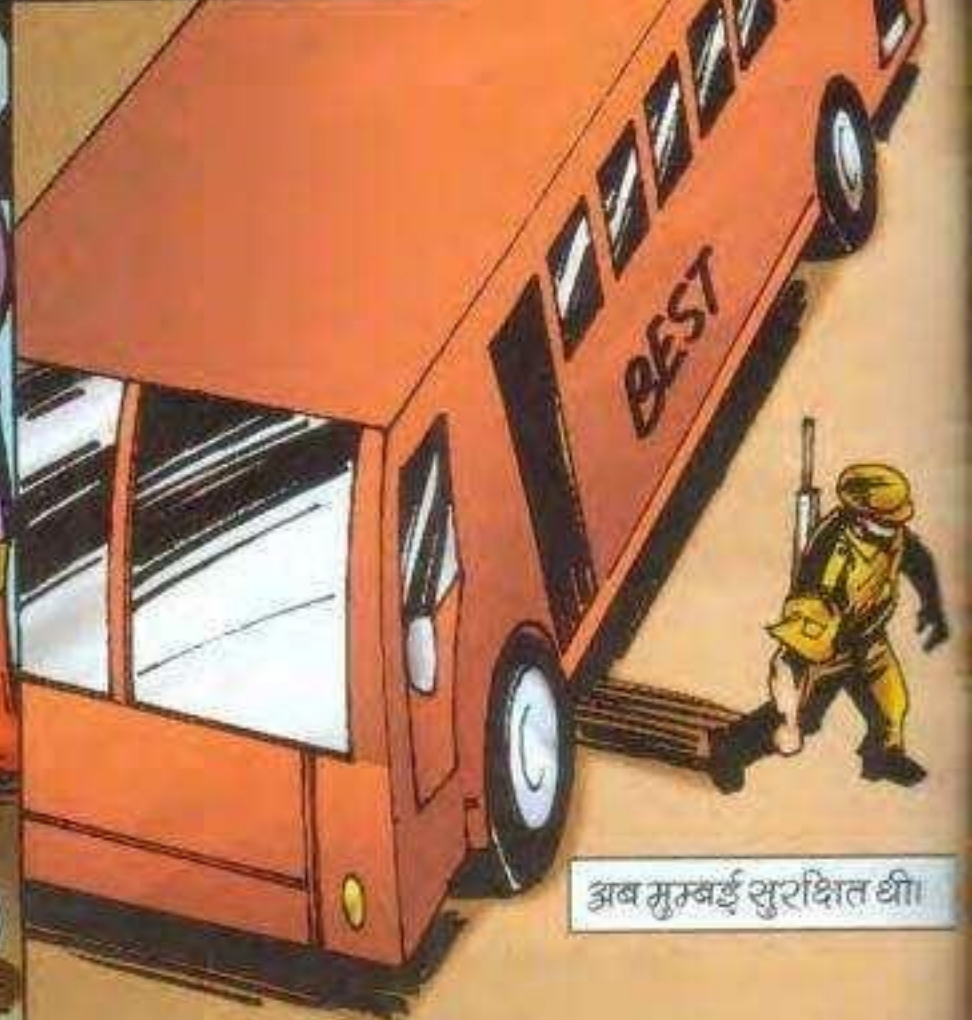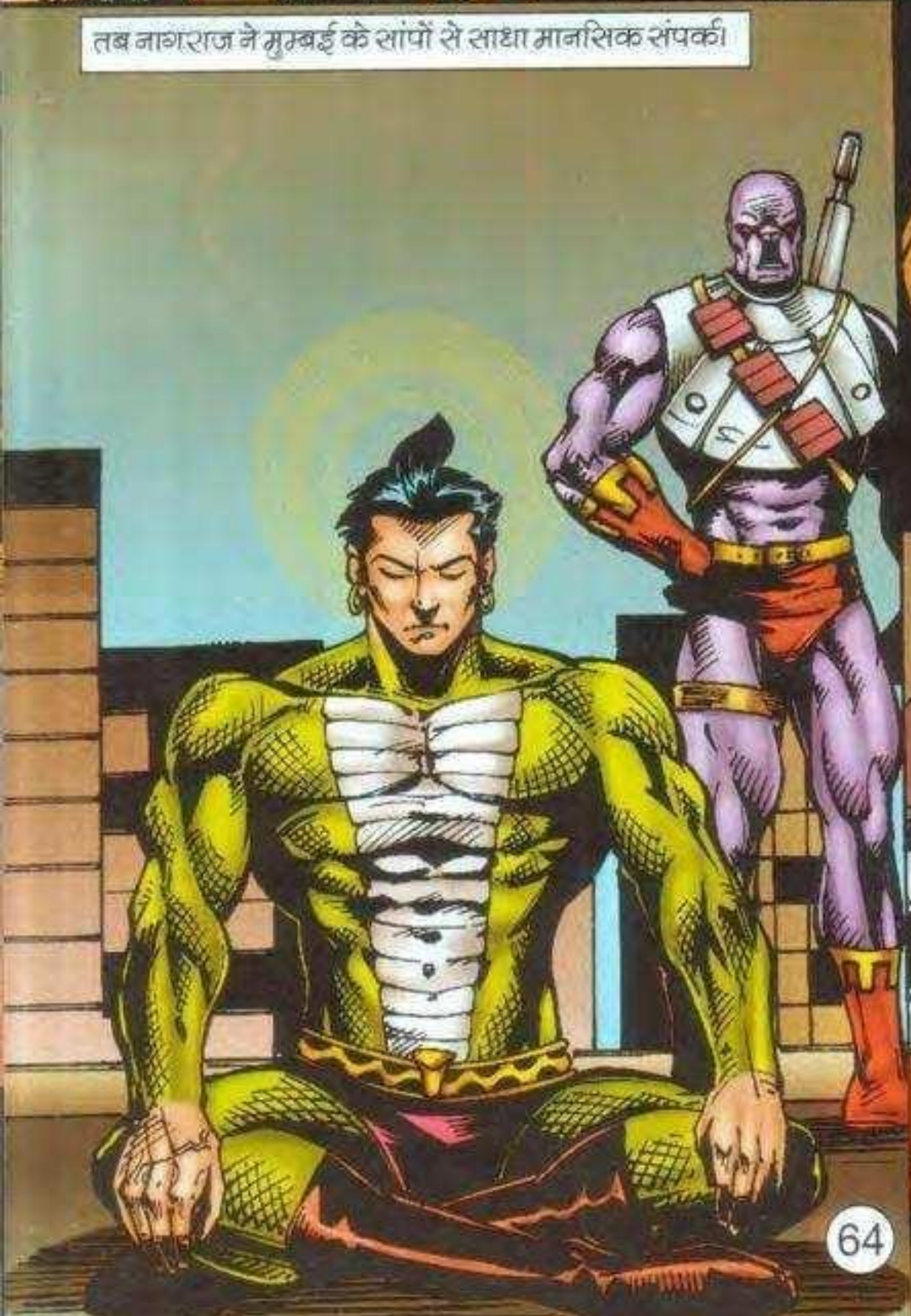
डोगा
मैंने चैक कर
लिया।
नागराज
मैंने भी चैक
कर लिया।
मेरे बारूद
खोजी सर्पों ने सभी
बसों को सूंघा।
मेरे कुत्ता
दोस्तों ने भी
सभी बसों को सूंघा
नागराज। बम केवल
40 बसों में
ही हैं।
एन.एम.
बहुत शातिर निकला।
उसने चालीस बमों से
पूरी मुम्बई को कब्जे
में कर लिया।
बम हर बस
के पिछले टायर के
पास लगा है।
अब मैं नागफनी
सर्पों की मदद से बस
का वो हिस्सा काट कर
अलग कर दूंगा।
सभी बसों से बमों को अलग कर लिया गया।
लो डोगा
मैं तुम्हारे कहने
पर यह बम साथ
ले आया।
हां! नागराज मैं एन.एम. को
उसी के बमों से उड़ाऊंगा। देश का सोना देश में
वापस लाना है और देश के दुश्मन को खाक में मिलाना है।
उसी पल पूरी मुम्बई डूब गई अंधकार में-
दो पल बाद नजर आई कुछ ही इमारतों पर रोशनी।
और नजर आया वो संदेश।
दुश्मन के
इरादे नेक नहीं
है नागराज।
हां डोगा। शैतान
एन.एम. के हाथ में मुम्बई
की विद्युत व्यवस्था का
कन्ट्रोल भी है।
उसने किया है
जंग का ऐलान।

मिलिट्री हेलिकॉप्टर ने एन.एम. और चांदनी को विराट के डेक पर उतार दिया-
आइए कमाण्डर चांदनी हिन्दुस्तान की नेवी के ताज I.N.S. विराट पर आपका स्वागत है।
धन्यवाद एन.एम. उर्फ नैनो मीटर, उर्फ नूर मोहम्मद! अब आप बताएं कि आपका क्या प्लान है?
कमाण्डर सबसे पहले तो मुझे विराट पर 25000 करोड़ के इस सोने के दर्शन करने थे। सोना देखकर दिल प्रसन्न हो गया। आगे का प्लान भी आपको बताता हूं। लेकिन पहले मैं आपसे यह जानना चाहूंगा कि आपको तो 26 तारीख को मुम्बई पहुंचना था। आप कहां रह गई थीं?
आपके बिना तो हमारा सारा प्लान ही चौपट हो गया था।
नागराज और डोगा भी इसी प्लान को समझने की कोशिश कर रहे थे-
नागराज। क्या मतलब हो सकता है इस जिहाद का?
क्या एन.एम. सोना मिलने के बाद भी मुम्बई में बम विस्फोट करना चाहता है।
नहीं डोगा एन.एम. बहुत शातिर है। मुम्बई पर कब्जा करके सोना और विराट प्राप्त करने की उसकी प्लानिंग सफल होने के बाद जिहाद लिखना यह दर्शाता है कि उसके दिमाग में इससे भी बड़ा कोई हिंसक कीड़ा कुलबुला रहा है।
वरना वो जिहाद ना लिखता। हिन्दुस्तान की समुद्री सीमा से सुरक्षित निकलने के पश्चात् सीधे बम विस्फोट ही करता।
लेकिन अभी तो कोई डेटिरस्ट नजर नहीं आ रहा था।
मैं भौचक्की रह गई थी एन.एम. जब नागराज ने मुझे आतंकवादी के रूप में पहचान लिया। मैंने अपनी अम्मी के इलाज की नकली कहानी बुनी और नकली अम्मी-अब्बू बनाए। नागराज से तो मैं तकरीबन बच गई लेकिन बद-किस्मती से प्लेन क्रेश हो गया।
तब मैंने नागराज को अपने प्लान के बारे में बता दिया ताकि वो किसी भी तरह मुम्बई पहुंचने की तैयारी करे और मैं उसकी सहानुभूति की पात्र बनकर मुम्बई पहुंचकर टीम में शामिल हो सकूं।
मैंने जैसा सोचा था सब वैसा ही हो रहा था। बेवकूफ नागराज मुझे मुम्बई ले आया। मुम्बई पहुंचते ही मैंने तुमसे संपर्क किया तुमने अपनी कार्यवाही शुरू कर दी। अब बस मुझे तुम तक पहुंचना था उसके लिए भी मैंने नागराज की मदद का ड्रामा रचा और तुम मुझे अपने साथ यहां ले आए।
लेकिन वो हिन्दुस्तान की समुद्री सीमा से दूर कैसे जा सकता है? विराट को चलाने के लिए कम से कम 1500 जहाजियों का क्रू चाहिए और विराट पर लदे विस्फोटकों के फ्यूज व डिटोनेटर्स और सभी फाइटर प्लेन्स हटा लिए गए हैं।
सही कहा तुमने लेकिन अगर जबड़े में दांत लगा दिए जाएं तो?

अब आप बताइए कि आपकी फ्यूज एक्सपर्ट चांदनी तो यहां पहुंच चुकी है लेकिन फ्यूज कहां है? मुझे जल्द से जल्द हिन्दुस्तान की इस शानदार मिसाइल ब्रह्मोस में जान फूंकनी है।
देखो कैसे निष्प्राण पड़ी है।
वाह कमाण्डर आपका दिमाग निशाने पाक पाने का हकदार है।
लेकिन अभी तो हमारे प्राण ही संकट में हैं। हिन्दुस्तानी जहाज हम पर निशाना ताने खड़े हैं।
लेकिन निशाने पलट देगा एन.एम.।
निशाने को ही ढूंढ रहे थे नागराज और डोगा के दिमागी तीर-
नागराज लश्कर-ए-आका ने हमेशा क्लू देकर हमले किए हैं। इस हमले में क्या क्लू हो सकते हैं? पहली बार होटल ताज और होटल ट्राइडेंट जैसी उच्च स्तरिय जगह को आतंकवाद का निशाना क्यों बनाया गया?
महज मुम्बई को कब्जे में लेने के लिए इतनी हाई सिक्यूरिटी इमारतों पर ही हमला क्यों किया गया? जबकि वो यह काम नरीमन हाउस जैसी किसी भी इमारत में कर सकते थे।
हुम्म! बात तो सही कह रहे हो तुम। होटल ताज और ट्राइडेंट क्या कोई क्लू हो सकते हैं?
चांदनी को भी कोई क्लू नहीं था-
निशाने कैसे पलटेंगे एन.एम. अभी तो हम खुद लहरों के भरोसे हैं? यह शिप हम चला नहीं सकते। बारूद है लेकिन मुर्दा। एयर क्राफ्ट केरियर है लेकिन कोई एयर क्राफ्ट नहीं है।
यह सोना क्या मेरे साथ इस शिप पर पिकनिक बनाने के लिए लूटा था?
तुम बहुत अधीर हो चांदनी। इस शिप पर मैं पिकनिक तो जरूर बनाऊंगा लेकिन आतिशबाजी के बिना नहीं।
अरे वो आ गये एयर क्राफ्ट...
यह किसके एयर क्राफ्ट हैं एन.एम. ये दोस्त हैं या दुश्मन?
दुश्मन!
एन.एम. के दो सबसे बड़े दुश्मन उसकी तरफ बढ़ रहे थे-
1971 हिन्दुस्तान पाकिस्तान वॉर में इंडियन नेवी ने ऑपरेशन ट्राइडेंट लॉन्च किया था और कराची पोर्ट को सील कर दिया था। पाकिस्तान को एक शर्मनाक हार मिली थी।
हो सकता है कि यह उसी का बदला लेना चाहते हों?
हिन्दुस्तानी नेवी को ब्लू वॉटर नेवी कहा जाता है। एशिया में यह रुतबा केवल इंडियन नेवी को हासिल है और वो भी एयर क्राफ्ट केरियर I.N.S. विराट के कारण। इंडियन नेवी का ताज है विराट।
ओह! तुमने सही कहा डोगा। लेकिन इन क्लूज से भी कोई हल नहीं निकल रहा है। आखिर वो चाहता क्या है?

नागराज इस साल हिन्दुस्तान का रक्षा बजट बहुत बड़ा है। जिसका सबसे बड़ा हिस्सा हिन्दुस्तान सरकार अपनी नेवी को मजबूत बनाने पर लगाना चाहती है।
कहीं दुश्मनों की चाल उसी को कमजोर करने की तो नहीं है। कहीं उनका प्लान विराट को डुबाने का तो नहीं है?
विराट की उम्र तो वैसे ही खत्म हो चुकी है डोगा। 2010 में रूस का एयर क्राफ्ट केरियर एडमिरल गार्शोकोव, विक्रमादित्य के नाम से विराट की जगह ले लेगा। उसका सौदा 25000 करोड़ का ही है। हो सकता है कि यह लोग उसी सौदे में व्यवधान डालने का प्लान कर रहे हों।
कल तारीख क्या है डोगा?
4 दिसम्बर।
इंडियन नेवी ने ऑप्रेशन ट्राइडेंट की विजय 4 दिसम्बर 1971 को प्राप्त की थी तभी से 4 दिसम्बर को नेवी डे के रूप में सेलिब्रेट किया जाता है।
इस समय विराट हिन्दुस्तानी समुद्री सीमा 270 नॉटिकल माइल्स के बाहर खड़ा है। ब्रह्मोस की मारक क्षमता 200 माइल्स है। मुम्बई के तट पर स्थित नेवी बेस तो सुरक्षित हैं। क्योंकि बिना क्रू के वो जहाज को हिला भी नहीं सकते। लेकिन विराट को घेरे खड़े जलाश्व इत्यादि शिप सुरक्षित नहीं हैं।
कल 4 दिसम्बर है और इंडियन नेवी का ताज दुश्मन के कब्जे में है वो हिन्दुस्तान नेवी से ऑप्रेशन ट्राइडेंट का ही बदला लेगा।
हां नागराज शिप तो निशाने पर हैं। लेकिन मिसाइल लॉन्चर्स तो अन-आर्मड हैं। मिसाइल तो फ्यूज के बिना बेकार हैं।
बेकार कुछ नहीं जब बुद्धि भरपूर हो-
सबसे बड़ा दुश्मन है यह विक्टर RDX हर तरह के हथियारों का सप्लायर। हर देश का दुश्मन। हमारा सबसे बड़ा दोस्त।
हैलो मिस्टर विक्टर।
हैलो मिस्टर एन.एम. हम आपके लिए यह 5 एयर क्राफ्ट और मिसाइल्स के लिए फ्यूज ले आए हैं।
आइ होप की हमारा सोना तैयार होगा?

यस मिस्टर विक्टर 25000 करोड़ की हमारी डील का सोना तैयार है। इसे आपके शिप पर लदवा दिया जाएगा।
VERY GOOD MR. N.M. हिन्दुस्तानी समुद्री सीमा से बाहर होने के कारण ही हम यह डिलीवरी दे पाए हैं। आप जल्द से जल्द सोना हमारे शिप में लदवाएं। हम ज्यादा देर यहां नहीं रुकना चाहते।
विक्टर RDX अपने एयर क्राफ्ट में बैठकर विराट छोड़कर उड़ गया।
विक्टर के आदमी सोना अपने शिप पर पहुंचाने लगे।
वाह एन.एम. तुम्हारा जबाव नहीं जिसका जूता उसी का सिर।
हिन्दुस्तानी सरकार ने अपनी तरफ से बड़ी समझदारी की विराट को डिसआर्म करके। लेकिन तुमने उनको मुंह तोड़ जवाब दिया। यह सब चालें तुमने पहले से ही सोच रखी थीं।
छोटे से शरीर में इतना दिमाग। शातिर शैतान हो तुम। दिमाग तो तुम्हारा चूमना चाहिए।
दिमाग जरूर चूमना लेकिन मेरा नहीं आका का यह सब उन्हीं की चालें हैं वतन में उनसे धुरंधर खिलाड़ी कोई नहीं है।
यह सही कहा तुमने आका महान है लेकिन...

लेकिन क्या?
इस शिप को कैसे हिलाओगे?
इस शिप को चलाएंगे डाकू!
डाकू?
हां सोमालियन डाकू!
अदन की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक फैला है इन सोमालियन खूंखार और बेरहम डाकुओं का आतंक। ये लोग जहाजों का अगवा करके सरकारों या जहाजों के मालिकों से फिरौती वसूलते हैं।
मिस्टर डेकोटा! आपको पिछले 2 महीनों से इंडियन नेवी ने बहुत नुकसान पहुंचाया है। हमने आपसे वायदा किया था कि हम आपको इंडियन नेवी के आतंक से मुक्त कराएंगे।
आज विराट हमारे कब्जे में है। हिन्दुस्तानी नेवी हमारे निशाने पर। अब हम आपकी मदद से इन्हें ध्वस्त कर देंगे।
हम आपके साथ हैं मिस्टर एन.एम.। मेरे आदमी विराट को चलाने के लिए तैयार हैं। आप हमले की तैयारी करें।
इस बार इंडियन नेवी डे सेलिब्रेशन बहुत धूम धड़ाम से मनाया
था-
चांदनी तुम मिसाइल तैयार करो।
हमारी फ्लीट तैयार है। अब हम हिन्दुस्तान की सीमा में घुसेंगे। सामने खड़े सभी शिप्स को ध्वस्त करेंगे और फिर इंडियन नेवी बेस पर ब्रह्मोस का हमला करके बनाएंगे नेवी डे।
नागराज! वही हुआ जिसका डर था। दुश्मन ने पूरी ताकत से हमला कर दिया है।
पर यह हुआ कैसे?
पूछो यह कि अब यह रुकेगा कैसे?
हेलीकॉप्टर विराट के ऊपर ले चलो।
धूम
धड़ाम
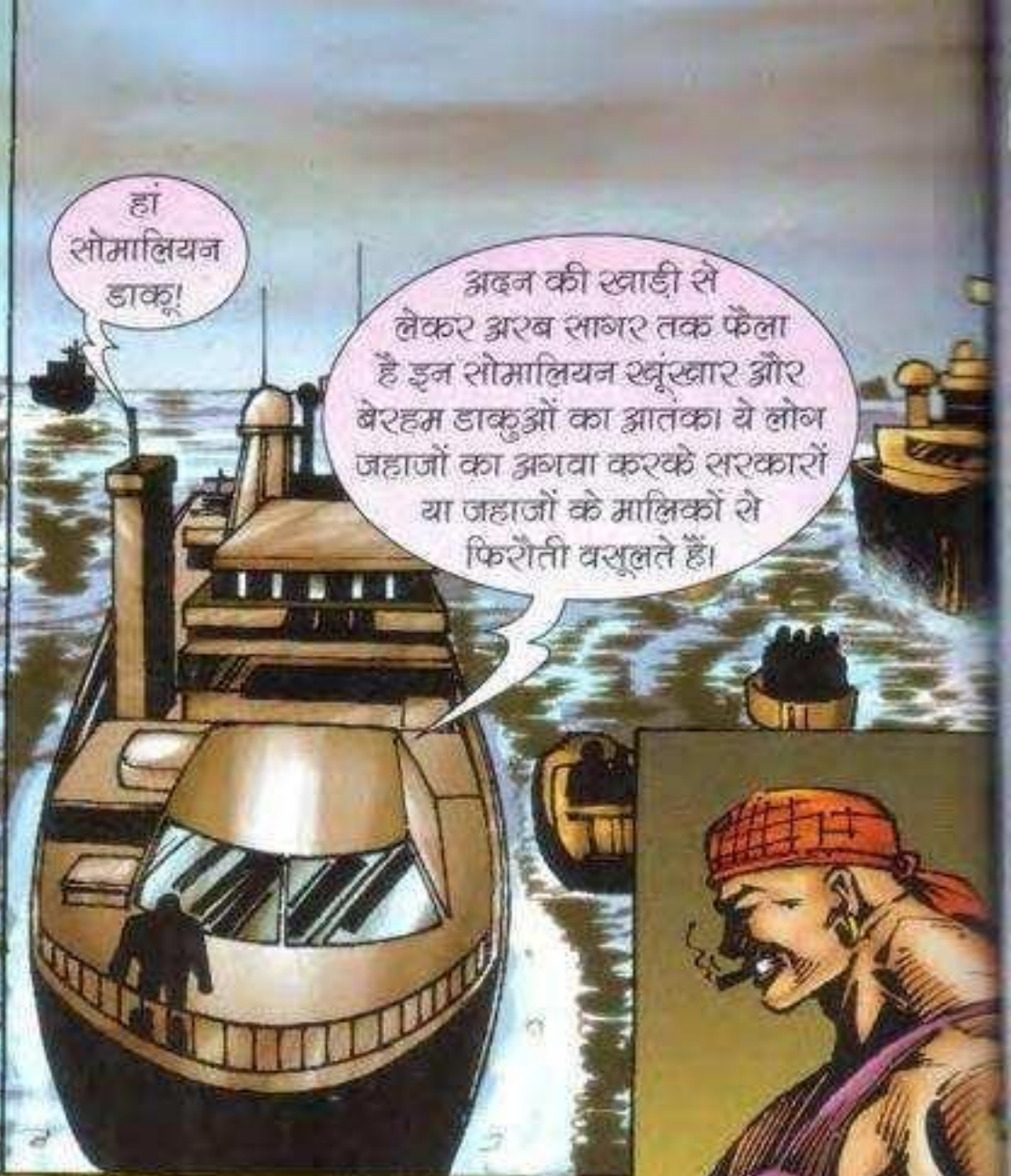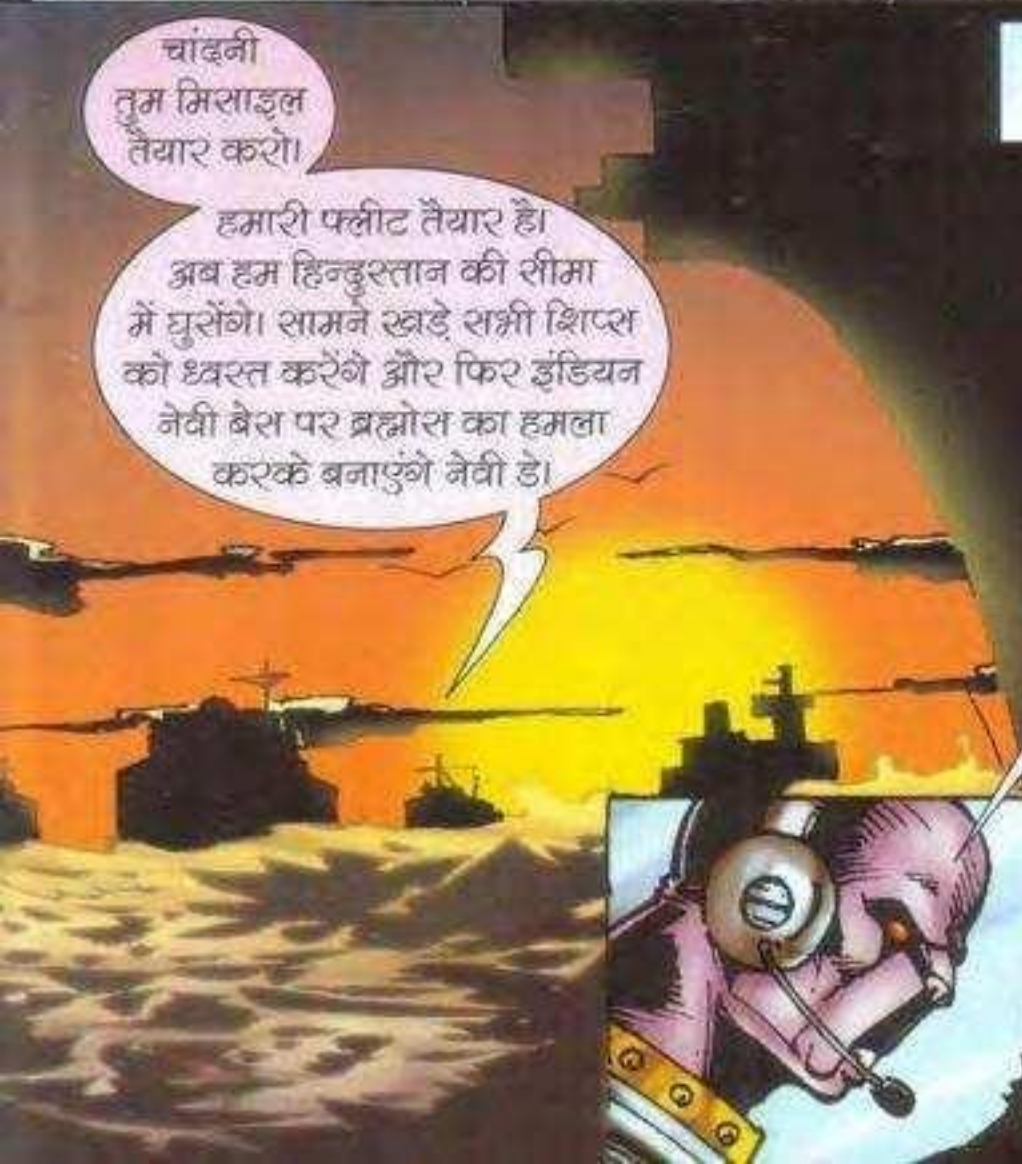
नागराज विराट के ऊपर कूद गया-
डोगा ने हेलिकॉप्टर को ऑटो पायलट किया और बमों के बैग लेकर समुद्र में कूद गया।
सांय
नागराज ने विराट पर उतरते ही जहरीला ताण्डव मचा दिया-
डोगा ने भी अपना अभियान शुरू कर दिया-
धाड़
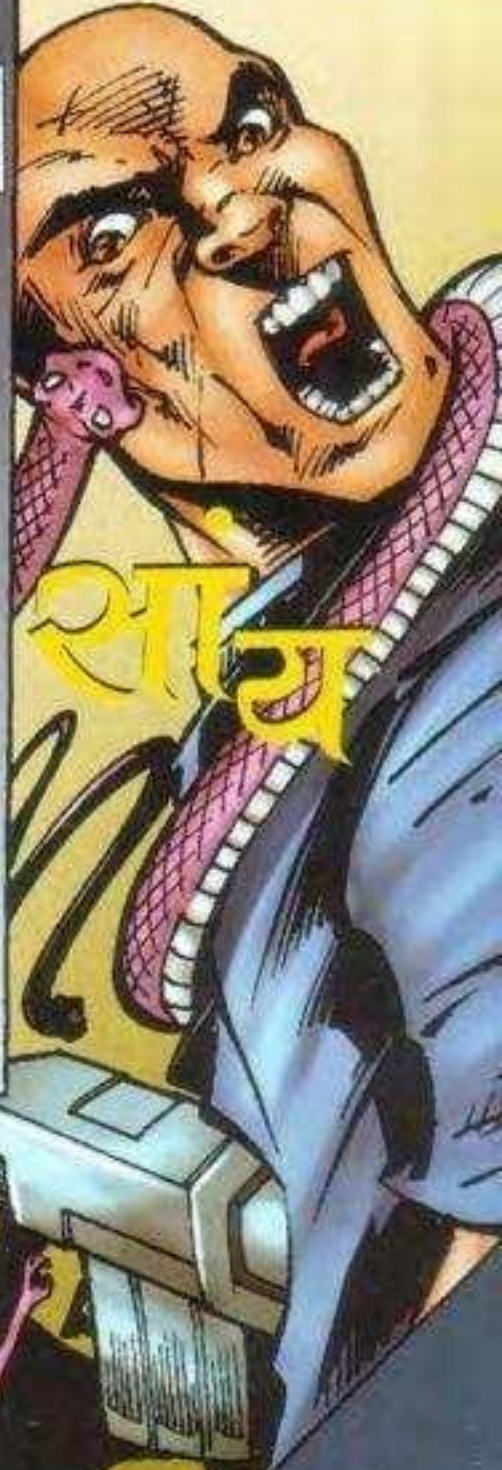
नागराज ने विराट पर कहर ढा दिया -
सांय
धाड़
हिस्स
तब नागराज को नजर आया एन.एम.।
विराट पर तुम्हारा स्वागत है नागराज। बहुत खून खराबा कर लेते हो लेकिन इस बार तुम हार गए नागराज।
घूम कर देखो। हमारे लश्कर ने किस बुरी तरह इंडियन नेवी की हालत खस्ता कर रखी है।
किस बुरी तरह जल रहा है INS JALASHWA, कितनी तबाही मची है। INS DELHI और INS MUMBAI पर। रो रहा है आज अरब सागर।
ब्रह्मोस तैयार है कुछ ही मिनटों में हम इंडियन नेवल बेस की जद में होंगे और इंडियन न्यूक्लियर नेवल बेस को भी उड़ा देंगे।
नन्हा सा शरीर ख्वाब ऊंचे हैं तेरे एन. एम.।
ऊंचे ख्वाब देखने के लिए बुलंद हौंसलों की दरकार होती है नागराज।
और हौंसलों की गरमी इतनी है कि सियाचिन को पिघला दे। ऐवरेस्ट को झुका दे। तेरी क्या औकात है तेरे जैसे 100 नागराज की हस्ती मिटा दे।
शाम तक हम गेटवे ऑफ इंडिया पर होंगे और अगली सुबह इंडिया गेट पर। इस गणतंत्र दिवस पर तुम्हारी सेनाओं की सलामी मैं ही लूंगा।
राजपथ और लालकिले पर फहरायेगा चांद सितारा और अमर जवान ज्योति पर भूनूंगा तेरा शरीर।
वो नन्हे मस्से नागराज के शरीर में समा रहे थे।

मेरे पास समय बहुत कम है।
इंडियन नेवी भी पूरी दिलेरी से एन.एम. के हमले का सामना कर रही थी।
दिलेरी उस बौने शैतान में भी कम नहीं थी-
नागराज तेरे जिस्म में घुस गए है नेनो वॉरियर्स। जो मेरे इशारे पर तेरे जिस्म में युद्ध छेड़ देंगे।
हजारों बमों का गोदाम बन गया है तेरा जिस्म।
तेरे हौंसले की दाद देनी होगी। लेकिन सियाचिन, एवरेस्ट और नागराज वो पर्वत हैं जिन पर आने वाले खुद को विजेता समझ लेते हैं पर अपनी एक अंगड़ाई से वो उनके नामोंनिशान मिटा देते हैं।
नहीं नागराज आगे मत बढ़ना वरना मेरी उंगली के इशारों पर तेरा शरीर ऐसे फटेगा।
तो तू हाथी पर वार कर नागराज।
धड़ाक
आह!
आगे बढ़कर करूंगा भी क्या?
मुझे तो यह नहीं समझ आ रहा कि तुझ पर कौन सा वार करूं या वार करूं भी या नहीं? क्योंकि मेरे वार हाथी नहीं झेल पाते तू तो चींटी भी नहीं है।

यह मेरी सुंड है। इसी से तेरी चटनी बना दूंगा।
हमारे इरादों को आज कोई नहीं रोक सकता।
कुत्सित इरादों की सुंड कितनी भी मजबूत हो...
....उसे उखाड़ देगा नागराज।
मेरा खून तेरे शरीर में चला गया डेकोटा...
..अब तेरे इरादे और तू गल जाएंगे।
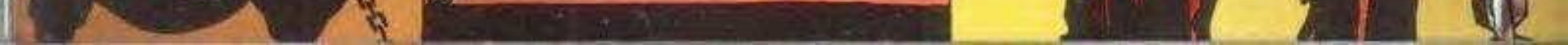
अपने शरीर से लंगर को निकाल कर नागराज एन.एम. की तरफ मुड़ा-
वहीं रूक जा नागराज वरना इस निर्दोष लड़की चांदनी को मार दूंगा मैं।
मार दे।
हां इसे मार दे एन.एम.। नहीं तो यह कपटी मेरे हाथों से मरेगी क्योंकि यह तुम्हारी ही साथी है। जब तुमने इसको अगवा करते समय इसका नाम लिया तभी मैं यह जान गया था। क्योंकि इसने मुझे बताया था कि यह नाम इसने एक दिन पहले ही रखा था।
मुझे पता है कि तू इसे नहीं मारेगा।
चांदनी मैंने मारे अब तक 1156.
रूक जा नागराज वरना मैं तेरे शरीर में विस्फोट कर दूंगा।
कर दे।
एन.एम. ने बटन दबा दिया।
विस्फोट हुए-
मेरे शरीर के सूक्ष्म सर्प सैनिक इन बमों को मेरे शरीर से बाहर निकाल चुके हैं एन.एम.।
बूम्म
बूम्म
बड़ाम

नहीं कर पाएगा एन.एम. मेरे रहते अब हर शख्स सुरक्षित है।
एन.एम. की छाती से निकल आया दूसरा कम्प्यूटर-
बस नागराज अब मैं और देर नहीं करूंगा। गई मुम्बई अब। मैं विस्फोट कर रहा हूं।
रुक जा शैतान।
रुक जा नागराज वरना मैं मुम्बई की बसों में विस्फोट कर दूंगा।
नागराज व्यग्र था-
तभी आसमान में नजर आया वो फ्लेयर शॉट।
हाहाहा! तुम सुपर हीरोज की यह सबसे बड़ी कमजोरी है नागराज। दूसरों की जान के लिए अपनी जान दांव पर लगा देते हो। लेकिन जान तो जाएगी ही।
उनकी भी तेरी भी। अरे!
मेरे सेंसर्स संदेश दे रहे हैं कि मुम्बई की बसें खाली हो रही हैं।
लेकिन सभी मरेंगे क्योंकि मैं विस्फोट कर रहा हूं।
कर दे विस्फोट एन.एम.।
नागराज ने भेजे मानसिक संदेश।
अचंभित एन.एम. ने बटन पुश कर दिए।
धमाके भी हुए।
गगन दहल गया।
बूम्म
बड़ाम
बूम्म

एन.एम. तो जैसे आश्चर्य से पागल ही हो गया-
ये धमाके यहां कैसे हो गए?
क्योंकि जो बम तू मुम्बई की बसों में लगा आया था। डोगा ने वो सभी बम तेरे ही साथियों के शिप्स पर चिपाकर मुझे FLAIR GUN से इशारा कर दिया था।
मैंने मानसिक सर्प संदेश भेजकर मुम्बई में सेंसर्स पर लिपटे सर्पों को सेंसर्स से हटा दिया था। जिनके हटने पर तूने विस्फोट कर दिए।
मैं अभी तक उसी के इशारे का इंतजार कर रहा था।
अब तेरे नापाक हौंसले कभी किसी की जिंदगी। कभी किसी की धरती को नहीं दहला पाएंगे।
कुछ ही देर बाद
नागराज इंडियन नेवी ने विराट पर कब्जा कर लिया है। विक्टर RDX के शिप से सोना भी जब्त कर लिया गया है। स्थिति काबू में है। सोमालियन डाकू नेस्तनाबूद कर दिए गए हैं।
नागराज तुम हो हिन्दुस्तान का ताज।
और डोगा तुम हो त्रिशूल। अब आतंकवाद के हौंसले हो चुके हैं ध्वस्त और मुम्बई है सुरक्षित।
जो नापाक हौंसलों को अपने जुनून से कुचल दें। वही होते हैं विलक्षण।
समाप्त